सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

खरार्टों से हैं परेशान तो ऐसे करें समाधान पेज: 7

'सिटी यूटीफुल फिल्म मेरे लिए घर वापसी जैसा है पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 109 | गुरुवार 23 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

राहुल गांधी की हिरासत अलोकतांत्रिक, सीएम विजय बोले- नीट को जड़ से मिटाना ही छात्रों के लिए एकमात्र समाधान है

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिए जाने की निंदा की और केंद्र सरकार के इस कदम को लोकतंत्र के खिलाफ बताया। एक बयान में मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में आए गांधी को हिरासत में लेना निंदा के योग्य है। उन्होंने सोमवार की घटनाओं को लेकर संसद के भीतर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के लिए अपनी पार्टी, 'तमिलगा वेट्री कझगम' के समर्थन की भी घोषणा की। नीट पर अपनी पार्टी का रुख दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि टीवीके इस प्रवेश परीक्षा को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने तर्क दिया कि इस परीक्षा का बुरा असर न सिर्फ. छात्रों पर, बल्कि उनके परिवारों पर भी पड़ा है।

लोक कल्याण मार्ग पर विरोध प्रदर्शन करने क्यों पहुंचे राहुल गांधी? प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया असली बात

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को लोक कल्याण मार्ग पर कांग्रेस पार्टी के विरोध प्रदर्शन का बचाव किया और विपक्षी नेताओं से छात्रों के साथ मिलकर सड़कों पर उतरने की अपील की। उन्होंने विपक्ष की मांग के बावजूद नीट-यूजी पेपर लीक पर चर्चा न कराने के लिए संसद की आलोचना की। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गांधी ने कहा कि हमें लगा कि अगर पूरे देश में छात्र सड़कों पर उतर रहे हैं, तो विपक्ष को भी ऐसा ही करना चाहिए। हालाँकि, हमारा मुख्य कार्यक्षेत्र संसद है। प्रधानमंत्री के आवास पर जाने से पहले, विपक्ष ने स्पीकर से उनके चैंबर में मुलाकात की। हमने उनसे इस अहम मुद्दे पर चर्चा की अनुमति देने का आग्रह किया। स्पीकर ने कहा कि वह सरकार से सलाह-मशविरा

करेंगे झ जिसका मतलब था कि फैसला सरकार के हाथ में है, उनके नहीं। लेकिन सलाह-मशविरा के बाद भी कोई चर्चा नहीं हुई; पूरे मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया। मंगलवार को कांग्रेस ने लोक कल्याण मार्ग पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके दौरान पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। गांधी ने प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए उन्हें शिक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों और सोमवार को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान एक प्रतीक हैं और छात्रों को इस बात का दुख है कि उनके साथ कैसा बर्ताव किया

जिन्हें वे प्रणालीगत गड़बड़ियों का प्रतीक मानते हैं....

राहुल गांधी ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले पर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन का बचाव करते हुए कहा कि जब छात्र सड़कों पर हैं तो विपक्ष को भी उनके साथ होना चाहिए। उन्होंने संसद द्वारा चर्चा से इनकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को दोहराया, जिन्हें वे प्रणालीगत गड़बड़ियों का प्रतीक मानते हैं। गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे से ध्यान भटका रही है

गया है। छात्रों के सम्मान में, उस प्रतीक को हटाना होगा। वह पूरी तरह से अयोग्य हैं और शायद इस (पेपर लीक) मामले में मिलीभगत भी रखते हैं। हम उनकी पृष्ठभूमि जानते हैं; हम जानते हैं कि वह कितने ईमानदार हैं। इसका एक इतिहास रहा है। छात्रों को यह संदेश देने के लिए कि हम उनकी भावनाओं का सम्मान करते हैं, इस व्यक्ति को जाना ही होगा। हम कल इस मांग के समर्थन में प्रधानमंत्री आवास गए थे, जो हर छात्र कर रहा है। गांधी ने आगे आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक विवाद से जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। उन्होंने कहा कि जवाबदेही तय करने के बाद, कांग्रेस परीक्षा प्रणाली में सुधार की वकालत करेगी। उन्होंने समझाया कि बातचीत कैसे होगी, यह सिर्फ. सरकार का फैसला नहीं है, क्योंकि इसके लिए दो पक्षों की जरूरत होती है। यह विपक्ष तय करेगा, कम से कम हमारी तरफ से तो यही होगा। सरकार इस मामले से ध्यान भटकाना चाहती है। सरकार इसे दबा देना चाहती है, जैसे कि ऐसा कुछ हुआ ही न हो। हम मुख्य मुद्दे का समाधान चाहते हैं। पीएम को माफी मांगनी चाहिए और जिन लोगों ने छात्रों पर हमला किया, उन्हें ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए; यह पहला कदम है। इसके बाद हम टेस्टिंग सिस्टम और लोगों से वसूले जा रहे पैसे में बदलाव देखना चाहते हैं।

खड़गे की शर्त : पहले इस्तीफा फिर नीट पर चर्चा; नड्डा बोले- विपक्ष गैर-जिम्मेदार

नई दिल्ली एजेंसी: संसद में लगातार बवाल जारी है। राज्यसभा में, केंद्रीय मंत्री और सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष पर बड़ा आरोप लगाया है। नड्डा ने राज्यसभा में कहा कि इंडी गठबंधन का व्यवहार बहुत गैर-जिम्मेदाराना है। हम संसद में उनके इस लोकतंत्र-विरोधी व्यवहार को साफ देख सकते हैं। संसदीय मयार्दा को तार-तार किया जा रहा है और लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन हो रहा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अभी-अभी बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है। नड्डा ने साफ तौर पर कहा कि हमारी सरकार नीट पेपर लीक और उससे जुड़े सभी मामलों पर भी चर्चा करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार पारदर्शी है। यह एक ऐसी सरकार है जो हमेशा लोगों के हित में काम करती है। इसलिए, हम उनकी (विपक्ष की) जन-विरोधी गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हैं। वे लोकतंत्र या लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास नहीं करते हैं। राज्यसभा में नीट यूजी 2026 पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगर निष्पक्ष चर्चा होनी है, तो शिक्षा मंत्री को पहले इस्तीफा देना चाहिए। जब तक वे इस्तीफा नहीं देते, तब तक यहां निष्पक्ष चर्चा नहीं हो पाएगी। इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं सदन में सरकार का पक्ष रखना चाहता हूँ। मॉनसून सत्र के पहले दिन से ही सरकार कह रही है कि हम सभी अहम मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हैं। हम शुरू से ही नीट परीक्षा के पेपर लीक पर चर्चा के लिए तैयार हैं। हम अभी भी तैयार हैं। हमने कांग्रेस नेताओं और दूसरी पार्टियों के नेताओं से भी कहा है कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन चर्चा कैसे होगी, यह चेयर की अध्यक्षता में सभी के साथ बैठक के बाद तय किया जाना है। लेकिन अगर वे चर्चा न करने के बहाने ढूंढ रहे हैं और शर्तें रख रहे हैं, तो यह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के भविष्य के लिए नीट परीक्षा और उससे जुड़े मामलों पर चर्चा करने को तैयार है।

छात्रों को गुमराह कर रहा विपक्ष! राजनाथ सिंह बोले- उनकी हर चिंता सुनना हमारी जिम्मेदारी

नई दिल्ली एजेंसी: कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद, बुधवार को भी जारी रहा। राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, कई स्तरों पर बैरिकेड लगाए गए और पुलिस व अर्धसैनिक बलों के जवानों की भारी तैनाती की गई। वहीं, विपक्ष भी सरकार पर हमलावर है। इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए एक राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार विद्यार्थियों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारत के जागरूक, परिपक्व और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को भली-भांति समझते हैं और वे प्रगति, विकास तथा राष्ट्रनिर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे। राजनाथ ने कहा कि हम इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि किसी भी व्यक्ति, विशेषकर हमारे छात्रों और युवाओं के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय न हो। विपक्ष के कुछ नेताओं द्वारा जान-बूझकर पैदा किया गया गुस्सा केवल जनता, विशेषकर हमारे बच्चों और युवाओं को भ्रमित करने और गुमराह करने का एक असफल प्रयास है। उन्होंने कहा कि युवाओं की भावनाओं और उनकी चिंताओं के प्रति हम पूरी तरह संवेदनशील हैं। संसद का सत्र चल रहा है, सरकार ने हर मुद्दे पर सार्थक बहस करने की भी बात कही है, मगर विपक्ष संसद में नहीं बल्कि सड़क पर मुद्दों का समाधान करने का अनुचित प्रयास कर रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में मुद्दों पर चर्चा करने की जगह संसद भवन है, जहाँ विपक्ष अपनी बात कहने के लिए स्वतंत्र है। इसलिए यदि विपक्ष गंभीर है तो मौजूदा मानसून सत्र को सुचारु रूप से चलाने में व्यवधान न उत्पन्न करे और संसद में ही सभी मुद्दों पर देश का ध्यान आकर्षित करे।

टीएमसी पर दोहरा एक्शन: विधानसभा से कुणाल घोष और लोकसभा से

सांसद कल्याण बनर्जी सस्पेंड, सदन में अमर्यादित आचरण पर बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस के विधायक कुणाल घोष को विधानसभा से उस दिन के लिए सस्पेंड कर दिया गया, जब उन्होंने होम और हिल अफेयर्स बजट पर चर्चा के दौरान बागी टीएमसी चीफ व्हिप अखरुज्जमां की बात में दखल दिया। स्पीकर के आदेश के बाद, मार्शल कुणाल घोष को जबरदस्ती सदन से बाहर ले गए। मंत्री तापस रॉय ने स्पीकर से कुणाल घोष को इस सत्र के लिए सस्पेंड करने का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने घोष के व्यवहार को स्वीकार्य नहीं बताया। सीएम अधिकारी ने कहा कि इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। हम भी विपक्ष में हैं, लेकिन कुछ ज़िम्मेदारी होती है। अखरुज्जमां एक सीनियर विधायक हैं और उनके पिता भी लंबे समय तक विधायक रहे थे। इस बीच, एक और घटनाक्रम में, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने

लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी को संसद के मौजूदा मॉनसून सत्र की बाकी अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया। यह प्रस्ताव महिला सांसदों के प्रति अभद्र व्यवहार और अमर्यादित भाषा के इस्तेमाल के आरोपों के बाद लाया गया। यह प्रस्ताव तब पेश किया गया जब सदन की अध्यक्षता कर रहे टीडीपी सांसद केपी तेनेटी ने सदन को बताया कि स्पीकर को बनर्जी के कथित व्यवहार और भाषा को लेकर एक लिखित शिकायत मिली है। इसके बाद सदन ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि बनर्जी ने संसद की कार्यवाही के दौरान अभूतपूर्व व्यवहार किया और महिलाओं के प्रति नफरत भरे अंदाज में एनसीपीआई सदस्यों और मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ मौखिक दुर्व्यवहार किया। बागी टीएमसी सांसद और एनसीपीआई नेता काकोली घोष दस्तीदार ने बनर्जी के निलंबन का समर्थन करते हुए आरोप लगाया कि टीएमसी सांसद ने बार-बार महिलाओं को निशाना बनाया और उनके खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया।

उत्तराखंड में बनेगा नया संस्कृत आयोग, सीएम पुष्कर सिंह धामी ने 10 अगस्त तक मांगे विशेषज्ञों से सुझाव

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड सरकार राज्य में संस्कृत भाषा को संरक्षित और समृद्ध करने तथा इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए एक संस्कृत आयोग बनाने की योजना बना रही है। सरकार ने इस आयोग के लिए देश भर के संस्कृत विद्वानों, शिक्षकों, शोधकताओं, विश्वविद्यालयों, गुरुकुलों और संस्कृत प्रेमियों से 10 अगस्त तक ईमेल के जरिए सुझाव मांगे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड की विरासत में संस्कृत का खास स्थान है। उन्होंने इस भाषा को आज के समय के हिसाब से प्रासंगिक बनाने की जरूरत पर जोर दिया। धामी ने कहा कि संस्कृत सिर्फ. एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की नींव है। राज्य सरकार इसे आम लोगों तक पहुँचाने और समय के अनुरूप इसे एक नई पहचान दिलाने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक कुमार ने कहा कि उत्तराखंड ने 2010 में संस्कृत को दूसरी आधिकारिक भाषा का दर्जा देकर एक अहम कदम उठाया था। उन्होंने बताया कि धामी ने दिसंबर 2025 में हरिद्वार में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में संस्कृत आयोग की जरूरत पर जोर दिया था। 15 जुलाई को हुई एक बैठक में आयोग बनाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। अधिकारियों ने बताया कि आयोग से संस्कृत शिक्षा और रिसर्च, पुरानी पांडुलिपियों को सुरक्षित रखने और उन्हें डिजिटल बनाने, भारतीय ज्ञान परंपराओं और वैदिक व शास्त्रीय अध्ययन के लिए काम करने की उम्मीद है। यह संस्कृत पर आधारित स्किल डेवलपमेंट और रोजगार के मौकों पर ध्यान देगा।

सीजेपी का इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड, फाउंडर अभिजीत दीपके ने सरकार पर लगाया आरोप

नई दिल्ली एजेंसी: पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने बुधवार को दावा किया कि केंद्र ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि नीट पेपर लीक के मामले में जवाबदेही तय करने की कोशिशों के तहत, वे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सकारात्मक रूप से विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई न करने का भरोसा देती है, तो वे अपनी भूख हड़ताल खत्म कर देंगे। सरकार को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा मैं सरकार से साफ-साफ भरोसा चाहता हूं कि इस आंदोलन में शामिल होने वाले किसी भी युवा प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई दंडात्मक या बदले की भावना वाली कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। उनका एकमात्र अपराध एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आवाज उठाना रहा है। सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दिपके ने बुधवार को दावा किया कि

सीजेपी का इंस्टाग्राम अकाउंट डिसेबल कर दिया गया है और इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज़िम्मेदार ठहराया। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को सीजेपी मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग के मामले में केंद्र और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 सितंबर की तारीख तय की। कोर्ट ने उन दो याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की जिनमें सीजेपी के मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली पुलिस द्वारा कथित तौर पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की बैठना जांच की मांग की गई थी। वकीलों ने तर्क दिया कि पुलिस ने बिना किसी चेतावनी के शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया और कोर्ट से मांग की कि वे एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा को तलब करें, जिन्होंने विरोध प्रदर्शन के दौरान किनारे खड़ी एक महिला के साथ शारीरिक मारपीट की थी। याचिकाओं का विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि तथाकथित शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा और ऐसे वीडियो मौजूद हैं जिनमें पुलिसकर्मियों को घायल होते

नीट मुद्दे पर संसद में गतिरोध जारी: सरकार चर्चा के लिए तैयार, विपक्ष प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा

नई दिल्ली एजेंसी: बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी संसद के मॉनसून सत्र की कार्यवाही बार-बार स्थगित होने के कारण बाधित रही। दोनों सदनों को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। विपक्ष केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग पर अड़ा हुआ है। जहां राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार नीट-यूजी पेपर लीक और अन्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है, वहीं विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संसद में निष्पक्ष चर्चा के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पहले इस्तीफा देना होगा। विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के सदस्य कल्याण बनर्जी को सदन में कुछ महिला सदस्यों से अभद्रता और दुर्व्यवहार के मामले में चालू सत्र की शेष अवधि के लिए लोकसभा से निलंबित कर दिया गया। किरेन रीजीजू ने संसद में कहा कि सरकार नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में सदन में चर्चा के लिए सौ प्रतिशत तैयार है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया

कि कांग्रेस बहाने बनाकर चर्चा से बचना चाहती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं आपके (आसन के) माध्यम से सरकार का पक्ष रखना चाहता हूं कि मानसून सत्र की शुरूआत से ही सरकार ने कहा है कि जो भी

संसद के मॉनसून सत्र में नीट मुद्दे पर गतिरोध तीसरे दिन भी जारी रहा, जहां विपक्ष केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा है। सरकार नीट-यूजी पेपर लीक सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष निष्पक्ष बहस के लिए

महत्वपूर्ण मुद्दे हैं उन पर और नीट प्रश्न पत्र लीक के विषय पर हम चर्चा के लिए तैयार हैं। हम अब भी तैयार हैं। उन्होंने सदन को जानकारी दी कि सरकार ने कांग्रेस और अन्य पार्टी के नेताओं को भी इस बारे में बताया था। रीजीजू ने दावा किया कि विपक्ष इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहता है और इसीलिए वह बहाने बनाकर सदन की कार्यवाही में बाधा डाल रहा है, जो ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के भविष्य के लिए, छात्रों के भविष्य के लिए नीट परीक्षा से जुड़े विषय पर चर्चा के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। सरकार ने एक एक करके जो भी कदम उठाये हैं, उन्हें देश के सामने रखना हमारा दायित्व है। मानसून सत्र शुरू होने के बाद नीट प्रश्न पत्र लीक मामले में छात्रों के आंदोलन को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद में जारी गतिरोध के बीच राज्यसभा में बुधवार को सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष पर संसद की मयार्दाओं को तार-तार करके प्रजातांत्रिक मूल्यों का हनन करने का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा विपक्ष की ओर इंगित करते हुए कहा कि ये जो इंडी गठबंधन है, उसका व्यवहार बहुत गैर जिम्मेदाराना है। यह प्रजातांत्रिक विरोधी गतिविधि साफ-साफ संसद में दिख रही है। ये (विपक्ष) संसद की मयार्दाओं को तार-तार करके प्रजातांत्रिक मूल्यों का हनन कर रहे हैं।

संपादकीय

कचरे का संकट

यह हमारी व्यवस्था की विडंबना ही है कि सड़कों व सार्वजनिक स्थलों में पसरा कचरा हटाना हमारी प्राथमिकता नहीं बनता। यह कचरा केवल दिखने में ही बुरा नहीं लगता बल्कि कई तरह के रोगों को जन्म देकर सार्वजनिक संकट का कारक भी बन सकता है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि हमारे समाज में सबसे महत्वपूर्ण सफाई का काम करने वाला वर्ग आर्थिक व सम्मान की दृष्टि से सबस ज्यादा उपेक्षित रहता है। कमोबेश पंजाब की सड़कों पर जमा कचरा यही संकट दर्शा रहा है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच घातक बीमारियां फैलने के खतरे को लेकर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की चेतावनी यह बताती है कि शहरी जीवन के लिये मूलभूत नागरिक सेवाएं कितनी महत्वपूर्ण हैं। खासकर मानसून के सीजन में यदि कचरा नहीं उठाया जाता तो स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। बारिश में इस कचरे के बहने से नालियां जाम हो जाती हैं। वहीं पानी के स्रोत भी दूषित हो सकते हैं। साथ ही मच्छर,चूहे व कीट-पतंगे पनपने से बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में हाईकोर्ट का राज्यभर की नागरिक संस्थाओं से रिपोर्ट मांगना और सरकार की जवाबदेही तय करना वक्त की जरूरत भी है। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि नगर निकायों के अधिकारियों को जरूरी सेवाओं, विशेषकर लोगों की सेहत से सीधे जुड़ी सेवाओं के लिये आपातकालीन योजनाएं बनानी ही चाहिए। निस्संदेह, इस संकट को महज कानून व व्यवस्था के नजरिये से ही नहीं देखा जा सकता। निर्विवाद रूप से हमारे समाज में सफाई कर्मचारियों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन इस अहम कार्य को हम अपेक्षित मान्यता नहीं देते। यह विडंबना ही है कि सफाई कर्मचारी लंबे समय से नौकरी की असुरक्षा, स्थायी होने में लगने वाली देरी, मिलने वाला कम वेतन और काम करने की खराब स्थितियों की शिकायत करते रहते हैं। शोचनीय स्थिति यह है तंत्र सफाई कर्मचारियों की मांगों को तब तक नजरअंदाज करता है, जब तक वे अपनी मांगों के समर्थन में सड़कों में नहीं उतर जाते। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सफाई कर्मचारियों को उनका वाजिब हक मिलना चाहिए। लेकिन हड़ताल व स्वास्थ्य सेवाओं का ठप होना न तो लोगों के हित में है और न ही सफाईकर्मियों के हक में। भारत में हर रोज 1.7 लाख टन से ज्यादा ठोस कचरा विभिन्न नगरपालिकाओं के अंतर्गत पैदा होता है। लेकिन तीव्र गति से बढ़ते शहरीकरण के चलते नागरिक सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में इस चुनौती के मुकाबले के लिये आधुनिक तकनीक के साथ प्रोफेशनल तरीके से ठोस कचरे का निस्तारण होना चाहिए। साथ ही जरूरी है कि पर्याप्त स्टाफ मिले, सफाई के आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराये जाएं। इसके अलावा इस क्षेत्र में निरंतर निवेश बढ़ाया जाए। हमारे नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि आपातकाल के समय की गई कोई भी कार्रवाई लंबी अवधि की योजना का विकल्प नहीं बन सकती।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलकः स्वराज, स्वाभिमान और राष्ट्रजागरण के महानायक

सुनील कुमार महला

स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा। यह प्रसिद्ध उद्घोष महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, राष्ट्रवादी नेता, प्रभावशाली वक्ता, लेखक, जन-जागरण के अग्रदूत, भारतीय संस्कृति और परंपराओं के समर्थक, युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा पत्रकार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का है। प्रतिवर्ष 23 जुलाई को उनकी जयंती मनाई जाती है। यहाँ पाठकों को बताता चलूँ कि तिलक को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का जनक तथा लोकमान्य की उपाधि प्रदान की गई है। लोकमान्य का अर्थ है- जिसे जनता द्वारा मान्यता प्राप्त हो। तिलक की गिनती उन नेताओं में की जाती है जिन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध जनमत तैयार किया और लोगों को स्वतंत्रता के लिए संगठित किया।

पाठकों को बताता चलूं कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था। उनका पूरा नाम केशव गंगाधर तिलक था। उनके पिता गंगाधर रामचंद्र तिलक संस्कृत के विद्वान तथा शिक्षक थे तथा उनकी माता पार्वतीबाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उन्होंने तिलक के व्यक्तित्व में नैतिकता, संस्कार तथा देशप्रेम के बीज बोए। जानकारी मिलती है कि जब तिलक लगभग 9 वर्ष के थे, तब उनकी माता का निधन हो गया था, जिसका उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ तिलक गणित और संस्कृत के अत्यंत मेधावी छात्र थे। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना पर आधारित शिक्षा का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र-जागरण का साधन माना और 1880 में पुणे में न्यू इंग्लिश स्कूल की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खगोलशास्त्र और वेदों में भी उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने द आर्कटिक होम इन द वेदाज नामक पुस्तक लिखी, जिसमें वैदिक सभ्यता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। केसरी (मराठी भाषा) तथा द मराठा (अंग्रेजी भाषा) जैसे प्रसिद्ध समाचार पत्रों की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। वास्तव में इन समाचार पत्रों के माध्यम से तिलक ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक शक्ति और जनसमर्थन प्रदान किया। केसरी के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों की खुलकर आलोचना की तथा किसानों, मजदूरों और सामान्य जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके माध्यम से उन्होंने स्वदेशी, स्वराज और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। मराठी भाषा में होने के कारण यह सीधे आम लोगों की आवाज बन गया। वहीं द मराठा समाचार पत्र के माध्यम से उन्होंने शिक्षित भारतीयों तथा ब्रिटिश शासकों तक भारतीयों की भावनाएँ पहुँचाईं इतना ही नहीं, तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव और शिवाजी महोत्सव की शुरूआत कर उन्हें सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाया। दरअसल, उन्होंने 1893 में गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप दिया ताकि लोग एकत्र होकर राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर सकें और अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट हो सकें। इन आयोजनों ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।गौरतलब है कि 1908 में राजद्रोह के आरोप में तिलक को बर्मा (अब म्यांमार) के मांडले कारागार भेजा गया, जहाँ उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य की रचना की। बहुत कम लोग जानते हैं कि ब्रिटिश लेखक वैलेंटाइन चिरोल ने उन्हें फादर ऑफ इंडियन अनरेस्ट अर्थात भारतीय अशांति का जनक कहा था।

वर्ष 1916 में तिलक ने होमरूल लीग की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत को स्वशासन दिलाना था। यहाँ पाठकों को जानकारी देना चाहूँगा कि होमरूल आंदोलन का अर्थ है-अपने देश का शासन स्वयं चलाने का अधिकार। यह आंदोलन भारत को ब्रिटिश शासन के अधीन रहते हुए भी स्वशासन दिलाने के लिए शुरू किया गया था। तिलक ने महाराष्ट्र और मध्य भारत में तथा एनी बेसेंट ने मद्रास सहित अन्य क्षेत्रों में होमरूल लीग की स्थापना की। इस आंदोलन का उद्देश्य भारतीयों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाना और स्वराज की माँग को जन-जन तक पहुँचाना था। होमरूल आंदोलन ने देशभर में स्वतंत्रता की भावना को मजबूत किया और भारतीयों को यह विश्वास दिलाया कि वे स्वयं अपना शासन चलाने में सक्षम हैं। इस आंदोलन ने आगे चलकर महात्मा गांधी के नेतृत्व में होने वाले जन आंदोलनों के लिए मजबूत आधार तैयार किया। उल्लेखनीय है कि आप कांग्रेस के पहले जननेता माने जाते हैं और आपने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल की तिकड़ी ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। बहुत कम लोग जानते हैं कि रूसी क्रांति के नेता व्लादिमीर लेनिन ने भी तिलक को भारत के महान क्रांतिकारी नेताओं में गिना था। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें आधुनिक भारत का निमार्ता तथा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें भारतीय क्रांति का जनक कहा था।रोचक तथ्य यह है कि तिलक ने अपने जीवनकाल में कभी कोई सरकारी पद प्राप्त करने की इच्छा नहीं जताई। उनका पूरा ध्यान राष्ट्र-जागरण, शिक्षा और स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत बनाने पर केंद्रित रहा।

अपने जीवन के अंतिम वर्षों में तिलक का स्वास्थ्य लगातार गिर रहा था। जुलाई 1920 में वे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उन्हें मलेरिया और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं ने घेर लिया था। उपचार के बावजूद उनकी स्थिति बिगड़ती गई और 1 अगस्त 1920 की मध्यरात्रि के बाद (लगभग 12:40 बजे) मुंबई (तत्कालीन बंबई), महाराष्ट्र में 64 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

अंत में यही कहूँगा कि लोकमान्य तिलक केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि पत्रकार, शिक्षाविद्, समाज सुधारक, संगठनकर्ता और राष्ट्रवादी चिंतक भी थे। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का आदर्श स्थापित किया।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

सींखचों में सिसक रहीं हैं अपने सुहाग का खून करने वाली विवाहिताएं

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की बहुत सारी जेलों में अंधी वासना अवैध संबंध के चलते अपना सुहाग को उजाड़ने वाली कुलटाएं अपने कृत्यों के लिए दिनरात त्रासदी भुगत रहीं हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ जिला जेल में ही पिछले कुछ महीनों में सामने आए अवैध रिश्तों के ताने बाने में फंसकर अपने ही हाथों से अपने सुहाग को कत्ल कर जीवन को नरक में धकेलने की की कहानी दबी पड़ी हैं । हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ चौधरी चरण सिंह जिला कारागार की बैरक नंबर 12ए में छह महिलाएं भी बंद हैं, जिन्होंने पराए संबंधों के मोह में अपने ही परिवार के खिलाफ घातक षड्यंत्र रच डाला। पांच जहां पति की हत्या की गुनहगार हैं, छठी ने अपनी कोख से जन्मे बेटे को ही मरवा दिया।

यूपी की सबसे पुरानी जेलों में शुमार मेरठ की जिला जेल में फिलहाल 67 महिला बंदी हैं, जिन्हें बैरक 12ए और 12बी में रखा गया है। पति को सांप से डसवाकर मरवाने वाली दामिनी को भी इसी बैरक में मुस्कान, अंजलि, रविता, कोमल और गुरप्रीत के साथ रखा गया है। जेल प्रशासन के अनुसार दामिनी फिलहाल किसी से बातचीत नहीं कर रही है। उसकी काउंसलिंग की तैयारी है। जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा बताते हैं कि इन महिलाओं को एक ही बैरक में रखने का उद्देश्य यह है कि वे एक-दूसरे का सहारा बन सकें। अधिकांश को अपने किए पर पछतावा है।इन सबके भीतर जेल से बाहर आने की छटपटाहट है लेकिन भविष्य खत्म हो जाने का अहसास भी है। इन पति हंता महिलाओं से जब परिवार वाले बच्चों के साथ मिलने आते हैं तो उनका भावनात्मक संतुलन टूट जाता है। ऐसे समय में वे एक-दूसरे से कहती भी हैं कि उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई थी , जो खुद ही अपनी गृहस्थी उजाड़ ली। सुबह सुंदरकांड के पाठ के बाद मुस्कान अपनी बेटी के साथ समय बिताती है, जबकि अंजलि, गुरुप्रीत, रविता और कोमल सिलाई-कढ़ाई में खुद को व्यस्त रखती हैं।

आपको बता दें मुस्कान रस्तोगी का नीला ड्रम कांड हो अथवा रविता और दामिनी..। सभी ने पति के रहते भी दूसरे युवकों से आशिकी का चक्कर चलाया प्यार के चक्कर में अपने पति का काम तमाम कर अपराध की अंधी राह पर जाकर खून से अपने हाथ रंग लिए। संगीता, अंजलि, कोमल और कविता की भी यही कहानी है।पति से भावनात्मक और जिस्मानी पूर्ति के बावजूद ये दूसरे आशिकों के साथ रंगरलियां मनाने की वासना भरी चाहत में ऐसी भटकी कि कुछ महिलाओं ने अपने ही सुहाग को मौत के घाट उतार दिया तो एक ने बेटे को ही मार दिया। जिन सपनों के लिए उन्होंने यह खतरनाक रास्ता अख्तियार किया, वे टूट चुके हैं। जेल में कोई सिलाई-कढ़ाई सीख रही तो कोई बच्चों को पढ़ा रही है।हर सुबह जेल में बजने वाले सुंदरकांड को सुन कर मन की शांति पाने की कोशिश करती है। जाने-अनजाने उन्होंने यह कदम उठा तो लिया लेकिन सलाखों के पीछे अब सिर्फ दर्द है, पछतावा है और बेबस सिसकियां भी। आपको पता होगा तीन मार्च 2025 की रात को ब्रह्मपुरी की रहने वाली मुस्कान रस्तागी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। ड्रम के अंदर सीमेंट से शव को जमा दिया था। मुस्कान और साहिल अभी भी जेल की सलाखों के पीछे है। दोनों के मुकदमे में जल्द ही निर्णय भी आने वाला है। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अगवानपुर निवासी 28 वर्षीय राहुल से अंजलि के तीन बेटे हैं। इसके बावजूद अंजलि का दिल पड़ोसी अजय पर आ गया। राहुल खेती बाड़ी व पशुपालन करता था, जबकि अजय आवारा किस्म का था और मौजमस्ती करता था। अजय ही अंजलि को रास्ते में से पिकअप कर लेकर होटल पहुंच जाता था। राहुल इसका विरोध करता था। एक नंवबर 2025 रात आठ बजे अंजलि ने काल कर राहुल को गांव के बाहर मंदिर पर बुलाया। वहां पर अजय भी आ गया। तब अजय ने राहुल की तीन गोली मारकर हत्या कर दी।

मेरठ के बहसूमा के अकबरपुर सादात ने रविता ने 17 अप्रैल 2025 को प्रेमी प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पति अमित की गला दबाकर हत्या कराई। उसके बाद सांप खरीद कर अमित के बिस्तर पर छोड़ दिया। उसके बाद सांप से काटने का नाटक रच दिया। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या आने के बाद पुलिस ने रविता और अमरदीप को जेल भेज दिया। दोनों फिलहाल जेल में बंद है।

वहीं चार अप्रैल को मेरठ जिला के परीक्षितगढ़ के अगवानपुर निवासी बीएसएफ जवान नैन सिंह की हत्या का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने पत्नी को और मौसी के बेटे गुलशन समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। कोमल ने बहन के मंगेतर गुलशन के साथ मिलकर हत्या की पूरी पटकथा रची थी। छह लाख की सुपारी के लिए अपने आभूषण गिरवी रखकर रकम जुटाई थी। मोबाइल कॉल डिटेल से ही पुलिस गुलशन तक पहुंची थी।

मेरठ की ही युवती गुरप्रीत ने तो प्रेमी के चक्कर में फंसकर अपनी कोख को ही उजाड़ दिया है। 17 जून को मेरठ जिला के बहसूमा के सैफपुर फिरोजपुर निवासी गुरुप्रीत कौर ने प्रेमी मुजफ्फरनगर के मीरापुर निवासी अर्पित पराशर के साथ मिलकर सात साले के बेटे अंगदवीर की हस्तिनापुर ले जाकर हत्या करा दी। महिला पौने दो साल से पति से अलग रह रही थी, बेटे की हत्या से चार दिन पहले ही ससुराल लौटी थी। गुरुप्रीत और अर्पित पराशर भी जेल में है।

23 जून 2025 को मेरठ के जानी खुर्द के किसान सुभाष की हत्या उसकी पत्नी कविता और छोटी बेटी सोनम ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई थी। बेटी के प्रेमी विपिन ने दोस्त अजगर उर्फ शिवम के साथ गोली मारकर हत्या की थी। मां बेटी समेत पांच आरोपितों को पुलिस ने जेल भेज दिया। कविता और सोनम जमानत पर जेल से छूट चुकी है।

28 फरवरी 2025 को जानी के गांव कुसैड़ी निवासी लोडर ऑपरेटर अजय कुमार की हत्या उसकी पत्नी संगीता ने ही प्रेमी अवनीश निवासी गाजियाबाद के संग मिलकर की है। अजय कुमार उर्फ बिटटू ताऊ के बेटे की शादी समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहा था। तब रास्ते में अवनीश ने ईंट से कुचलकर मार डाला। संगीता जमानत पर जेल से छूट चुकी है।

यह समय की गति है या कलियुग का प्रभाव कि यूपी ही नहीं देश भर में प्रेम त्रिकोण विवाहेत्तर संबंध अंधी वासना और अवैध सम्बन्धों के चलते कई सौ विवाहिता युवतियां जेल की चारदीवारी में शून्य हो चुके भविष्य को तलाश रहीं हैं। कुछ तो जेल से बाहर निकल कर कहां ठिकाना होगा यह भी नहीं जानती क्योंकि उनके अपराध के कारण सामाजिक जिल्लत झेल रहे उनके मा बाप परिवार ने भी उनसे किनारा कर लिया है। सवाल फिर वही है ऐसा क्या है जो मुस्कान रविता गुलशन संगीता अंजली को उनके साथ सात फेरे लेने वाले पति नहीं दे पाए। संस्कार की कमी अवैध सम्बन्ध और विवाहेत्तर वासना की अंधी सुरंग हजारों विवाहित कपल्स के जीवन को कलंकित कर रही है। हमारे गौरवशाली समाज और संस्कृति में यौन शुचिता का विचार रहा है यही विचार है कि हिन्दुस्तान की नारी शक्ति का विश्व भर में विश्वास और सम्मान रहा है लेकिन पिछले एक दशक में भारतीय नारी समाज को कथित प्रगतिशीलता पुरुष समानता और स्वतंत्र जीवन शैली के नाम पर यौन स्वछंदता और अमर्यादित जीवन की ओर धकेलने की कोशिश की जा रही है नेटफलिक्स होट स्टार तमाम मीडिया पर भारतीय महिलाओं को कथित आधुनिकता के नाम पर अवैध सम्बन्धों वाले स्वछंद जीवन शैली की और प्रेरित किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि हजारों जीवन अपने राह से उतर कर अंधेरी सुरंग में जीवन का स्वर्णिम समय देने के लिए मजबूर हैं।

युवा असंतोष : देखना है जोर कितना बाजु-ए-कातिल में है?

देश का भविष्य, युवा शक्ति इन दिनों दिल्ली से लेकर देश के और भी कई नगरों महानगरों में सड़कों पर उतर चुका है। भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में यह पहला अवसर है जबकि सरकार को इतने व्यापक स्तर पर जन विरोध का सामना करना पड़ रहा है। युवाओं व छात्रों में उपजे इस तरह के राष्ट्रव्यापी असंतोष का मुख्य कारण यह है कि उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कथित रूप से 152 बार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनायें हो चुकी हैं। इसके चलते लगभग 7.5 करोड़ छात्रों के भविष्य के लिये संकट खड़ा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वर्ष 2021 से 2026 के बीच नीट परीक्षा के दबाव,अनिश्चितताओं ,पेपर लीक मॉडल और व्यवस्था की नाकामी के चलते मानसिक तनाव में आकर देश में 90 से अधिक छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। देश का युवा केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहा है। परंतु फिलहाल तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकार ने युवाओं की इस मांग को नकारने को ही अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। यही वजह है कि पर्यावरणविद व सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के लंबे अनशन के बावजूद सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया। नतीजतन जंतर मंतर से युवाओं का सैलाब गत 20 जुलाई को सत्र शुरूआत के पहले ही दिन संसद की ओर निकल पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम के कई अलग अलग पहलू हैं। इनमें एक महत्वपूर्ण पहलू है सरकार का इन प्रदर्शनकारी युवाओं,छात्रों व आंदोलन से निपटने का तरीका। याद कीजिये जब तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध दिल्ली की सीमाओं पर 26 नवंबर 2020 से 9 दिसंबर 2021 तक ऐतिहासिक किसान आंदोलन 380 दिनों तक चला था उस समय भी इसी भाजपा सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाये थे। उसे भी पाकिस्तान, माओवादी,खालिस्तानी समर्थक आंदोलन बताया गया था। आंदोलन की फंडिंग पर सवाल खड़ा किया गया था,किसान दिल्ली न पहुँचने पाएं इसके लिये सड़कों पर कीलें बिछाई गयी थीं,कई जगह पक्की दीवारें बनाकर आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश हुई थी। परन्तु अन्नदाता कहाँ दबने वाले थे। आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर 2021 को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का आधिकारिक ऐलान किया। और किसानों ने तीनों काले कृषि कानूनों को वापस करवाकर ही दम लिया। इस तरह के किसान विरोधी प्रोपेगेंडा में तब भी मीडिया ने सत्ता के पक्ष में बड़ी भूमिका निभाई थी और आज भी वही सत्ता परस्त चाटुकार मीडिया छात्रों व युवा शक्ति के इस आंदोलन में ठीक वैसी ही भूमिका निभा रहा है।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर 28 जून 2026 से अनशन शुरू हुआ था। सोनम वांगचुक व छात्र संगठनों के नेतृत्व में चल रहा यह आंदोलन 34 दिन पूरे कर चुका है। एक तरफ तो देश की लगभग सभी विपक्षी पार्टियों का समर्थन इस आंदोलन को हासिल है तो दूसरी तरफ किसान आंदोलन की ही तरह इस आंदोलन को भी कमजोर व बदनाम करने की साजिश बिकाऊ मीडिया,सत्ता संचालित आई टी सेल व अंधभक्त ट्रोलर्स द्वारा की जा रही है। उदाहरण के तौर पर सोनम वांगचुक जोकि भारत के एक सुप्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता हैं तथा अपने अनेक अनूठे आविष्कारों और जमीनी स्तर पर शिक्षा व पर्यावरण में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए जाने जाते हैं, उनको चीनी एजेंट बताने की मुहिम छेड़ी गयी। वांगचुक को उनके कार्यों के लिए अब तक लगभग 15 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें प्रमुख रूप से एशिया का नोबेल पुरस्कार समझा जाने वाला रेमन मैग्सेसे पुरस्कार भी 2018 में मिल चुका है। वे लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष सुरक्षा प्रदान करने और पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए भी लेह में 21 दिनों का कड़ा अनशन कर चुके हैं और जेल भी जा चुके हैं। ऐसे प्रतिष्ठित समाजसेवी व्यक्ति को चीनी एजेंट के रूप में बदनाम करने का मकसद छात्र आंदोलन को बदनाम करना है।

बहरहाल जब सत्ता के यह हथकंडे कामयाब नहीं हुये तो छल,साजिश और दमन की नीति अपनाकर इस आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गयी। 19 /20 जुलाई की रात जंतर मंतर पर धरना स्थल के बिल्कुल करीब पत्थरों से भरा एक ट्रक चुपके से लाकर खड़ा कर दिया गया। उसी के साथ एक टूटी फूटी वैन खड़ी कर दी गयी। जिसे आंदोलनकारी समर्थक सोशल मीडिया ने देर रात चेक कर उसकी वीडिओ वायरल कर दी और युवाओं को चेतावनी दे दी कि यह साजिश का हिस्सा है इससे सचेत रहें। उसके बाद जब युवाओं का जनसैलाब 20 जुलाई को अनियंत्रित होकर संसद की तरफ कूच करने लगा उसकी आड़ में जगह जगह पुलिस की जिस बर्बरता के भयावह दृश्य देखने को मिले उसने तो सत्ता की मंशा,क्रूरता व अहंकार को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया। 100 से अधिक युवा पुलिस बर्बरता का शिकार हुये। पुलिस के साथ ही सादे लिबास में अनेक संदिग्ध लोग छात्रों,युवाओं यहां तक मासूम बच्चियां व बुजुर्गों पर भी बेरहमी से डंडे बरसाते दिखाई दिये। सिर्फ लाठी चार्ज ही नहीं किया गया बल्कि पानी की तेज धार और आंसू गैस के गोले भी दागे गये। इतना ही नहीं बल्कि संसद भवन के भीतर आधुनिक शस्त्रों से लैस कई पुलिस वाले प्रदर्शनकारियों की ओर निशाना साधे दिखाई दिये। गोया यदि प्रदर्शनकारी संसद भवन के भीतर आने की कोशिश करते तो उनका भारी नरसंहार संभव था। इस चित्र ने भी लोगों में भारी गुस्सा पैदा कर दिया। सत्ता के अहंकार और पुलिस जुल्म का नतीजा यह हुआ कि अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन करने व इसके चलते शासन की यातना सहने वाले युवाओं के प्रति देश भर में समर्थन और बढ़ गया। देश भर से दिल्ली पहुंचे सैकड़ों ऐसे युवा व अभिभावक जंतर मन्त्र पर नजर आये जिन्होंने विमान अथवा ट्रेन से 20 जुलाई की शाम या रात का अपना घर वापसी का टिकट बुक करा रखा था उन्होंने युवाओं के समर्थन में व पुलिस व सत्ता के जुल्म से क्रोधित होकर अपने टिकट कैंसिल करा दिये और आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये दिल्ली में ही रुकने का फैसला किया। अब जंतर मंतर पर युवाओं का सैलाब और बढ़ता जा रहा है। इस अहंकारी सत्ता ने रही सही कसर तब पूरी कर दी जब पुलिस ने नेता विपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी,अखिलेश यादव सहित अनेक सांसदों व योगेंद्र यादव जैसे कई वरिष्ठ नेताओं को भी कुछ समय के लिये गिरफ़्तार कर लिया। बहरहाल छात्र युवा आंदोलन की यह चिंगारी अब शोला बन चुकी है। व्यवस्था से दुखी युवा अपने भविष्य की अनिश्चितताओं के चलते इस समय आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये तैयार है और पूरे गुस्से में है। जंतर मंतर पर सत्ता के जुल्म के शिकार युवाओं के मुंह से अब हर तरफ यही सुनाई दे रहा है - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। देखना है जोर कितना बाजु -ए-कातिल में है?

अमरोहा
गुरुवार 23 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

नौगांवा पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार युवक के 45 हजार रुपये कराए वापस

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- साइबर ठगों के चंगुल में फंसकर खाते से निकले 45 हजार रुपये साइबर सेल टीम ने पीड़ित को वापस कराकर आम जनमानस से सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार जनपद के थाना नौगांवा सादात के मोहल्ला अली नगर निवासी मो0 अनस पुत्र मोहम्मद असलम ने बताया कि 09 मई को अज्ञात लोगों ने उनकी जानकारी के बिना उनके बैंक खाते से 45 हजार रुपये डेबिट कर लिए थे। इस संबंध में अनस ने

साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस को शिकायत मिलते ही थाना नौगांवा सादात की साइबर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित के खाते से कटे हुए पैंतालीस हजार रुपये वापस कराए। रुपये वापस मिलने पर पीड़ित ने थाना पुलिस का आभार जताया और धन्यवाद किया। वहीं इस संबंध में थाना प्रभारी ने आम जनमानस से अपील की है कि वह अपने खाते से संबंधित ओ.टी.पी. पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करें। किसी भी लुभावने ऑफर या लिंक पर बिना जांचे भुगतान न करें। यह ऑनलाइन धोखाधड़ी का तरीका हो सकता है। नागरिक स्वयं जागरूक रहें और दूसरों को भी जागरूक करें ताकि कोई भी व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार न हो।

मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत कमाल पैलेस में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन किया गया आयोजित

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को हसनपुर विधानसभा के कमाल पैलेस में मेरा बूथ, सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत विशाल बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश राजेश सिंघल उपस्थित रहे। उनके साथ हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने मंच से सभी बूथ अध्यक्षों एवं पार्टी कार्यकताओं को संबोधित किया। विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि चुनाव की असली ताकत बूथ पर ही तय होती है। "मेरा बूथ, सबसे मजबूत" अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बूथ को संगठनात्मक रूप से इतना सशक्त बनाना है कि वहां पार्टी को शत-प्रतिशत सफलता मिले। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने बूथ पर मतदाता सूची का सत्यापन, नए मतदाताओं को जोड़ना और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का काम करें। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल ने कार्यकताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी शीर्ष नेतृत्व का स्पष्ट निर्देश है कि हर कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर सक्रिय रहना होगा। बूथ की मजबूती ही पार्टी की मजबूती है। उन्होंने सभी से एकजुट होकर कार्य करने और विपक्ष के भ्रम को तोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और "मेरा बूथ, सबसे मजबूत" के संकल्प को साकार करने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बूथ अध्यक्षों से फीडबैक भी लिया गया और उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन विधानसभा संयोजक हेमराज सैनी ने किया। इस शुभ अवसर पर जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु त्यागी, हसनपुर ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, हसनपुर मंडल अध्यक्ष राजू राणा, आदमपुर मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल, उझारी मंडल अध्यक्ष कल्याण सिंह सैनी, रुखारू मंडल अध्यक्ष हुकम सिंह खड़गवंशी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, सम्मानित बूथ अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन, सत्यापन एवं नवीनीकरण की समय-सारिणी जारी

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन एवं निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निदेशों के क्रम में वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2026-27 हेतु संचालित दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन आवेदन, नवीनीकरण, सत्यापन तथा अन्य समस्त कार्यवाहियों की समय-सारिणी जारी कर दी गई है। शासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार छात्रवृत्ति योजना की समस्त प्रक्रियाएं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथियों में पूर्ण की जाएंगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि सर्वप्रथम शिक्षण संस्थानों द्वारा 22 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक मास्टर डाटा तैयार एवं अद्यतन किया जाएगा। इसके उपरांत 23 जुलाई से 30

अगस्त 2026 तक विश्वविद्यालय एवं एफिलिएटिंग एजेंसी द्वारा संस्थानों की मान्यता, पाठ्यक्रम, सीटों की संख्या एवं शुल्क आदि का ऑनलाइन सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नवीनीकरण (Renewal) के अंतर्गत अध्ययनरत छात्र-छात्राएं 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस अवधि में छात्रों को आवेदन पत्र की हार्डकॉपी शिक्षण संस्थान में जमा करनी होगी तथा संस्थानों द्वारा बायोमेट्रिक सत्यापन, उपस्थिति एवं प्राप्तांक अंकित कर पात्र छात्रों का डाटा ऑनलाइन अग्रसारित किया जाएगा। इसके बाद 15 सितम्बर से 5 नवम्बर 2026 तक विश्वविद्यालय एवं एफिलिएटिंग एजेंसी द्वारा वास्तविक छात्र संख्या का सत्यापन करते हुए अपात्र छात्रों, पाठ्यक्रमों एवं संस्थानों को आवश्यकतानुसार ब्लॉक किया जाएगा। वहीं नवीन (Fresh) छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन की प्रक्रिया 15 सितम्बर से 31 अक्टूबर 2026 तक संचालित होगी। आवेदन पत्र की हार्डकॉपी आवश्यक अभिलेखों सहित 16 सितम्बर से 4 नवम्बर 2026 तक शिक्षण संस्थान में जमा की जाएगी। शिक्षण संस्थान द्वारा 16 सितम्बर से 10 नवम्बर 2026 तक आवेदन पत्रों का ऑनलाइन सत्यापन एवं अग्रसारण किया जाएगा, जबकि विश्वविद्यालय एवं एफिलिएटिंग एजेंसी द्वारा 16 सितम्बर से 25 नवम्बर 2026 तक अंतिम सत्यापन की कार्रवाई पूर्ण की जाएगी।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने जनपद के समस्त दशमोत्तर शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों एवं छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे शासन द्वारा निर्धारित समय-सारिणी का शत-प्रतिशत पालन करते हुए सभी ऑनलाइन एवं संस्थागत कार्यवाही समय से पूर्ण करें, ताकि पात्र छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ बिना किसी असुविधा के समय पर प्राप्त हो सके।

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP) के अंतर्गत जनपद में खुरपका-मुंहपका (FMD) टीकाकरण अभियान का बुधवार को शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट परिसर से टीकाकरण टीमों को हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि उपचार से बचाव हमेशा बेहतर होता है और बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने बताया कि

जनपद में अभियान के सफल संचालन के लिए 46 टीमें गठित की गई हैं, जो आगामी 45 दिनों तक घर-घर जाकर पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण करेंगी। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जनपद के लगभग 6 लाख गोवंश एवं महिषवंश का खुरपका-मुंहपका रोग के विरुद्ध टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण पूर्णतः निःशुल्क होगा तथा प्रत्येक पशु का भारत पशुधन (Bharat Pashudhan) ऐप पर ऑनलाइन पंजीकरण कराया जाना अनिवार्य है। जिलाधिकारी ने सभी पशुपालकों से अपील की कि वे इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय सहयोग करें तथा पशुपालन विभाग की टीम को प्राप्त ओटीपी (OTP) उपलब्ध कराकर अपने पशुओं का ऑनलाइन पंजीकरण एवं टीकाकरण अवश्य कराएं, जिससे पशुओं को संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखा जा सके। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ आभा दत्त सहित पशुपालन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में बुधवार को गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट अमरोहा में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी बनाने तथा विभिन्न विभागों के समन्वय से सड़क सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों एवं तिराहों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने दुर्घटना संभावित (ब्लैक स्पॉट) स्थलों को चिन्हित कर वहां प्राथमिकता के आधार पर उच्च गुणवत्ता की लाइटें लगवाने के निर्देश दिए, ताकि दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि आगामी जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सभी उप

जिलाधिकारी, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करें। यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी ने रॉन्ग साइड चलने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाकर चालान की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने 108 एंबुलेंस सेवा की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि यदि किसी दुर्घटना स्थल पर एंबुलेंस की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब पाया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि जनपद के सभी चिकित्सालयों में दुर्घटना में घायल होकर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की अनिवार्य रूप से अल्कोहल जांच कराई जाए। शिक्षा विभाग को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विद्यालय अपनी स्कूल बसों की फिटनेस तथा वाहन चालकों एवं परिचालकों के फिटनेस प्रमाण-पत्रों का नियमित सत्यापन करें। साथ ही जिन विद्यार्थियों को उनके अभिभावक ई-रिक्शा अथवा निजी वाहनों से विद्यालय भेजते हैं, उनसे भी आवश्यक प्रमाण-पत्र प्राप्त किए जाएं, जिससे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), एआरटीओ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, अनिल जग्गा सहित जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद में पशु क्रूरता निवारण समिति एसपीसीए का किया गया पुनर्गठन

अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के सुझावों पर जनपद में पशु क्रूरता निवारण समिति (सोसाइटी फॉर प्रीवेंशन ऑफ क्रुएल्टी अगेंस्ट एनिमल्स - SPCA) का पुनर्गठन किया गया है। शासन द्वारा आठ प्रबुद्ध नागरिकों को समिति के सदस्य नामित किया गया है। इनमें गौरव शर्मा, बलराज सिंह, प्रनित गुप्ता, अजय टंडन, मुन अग्रवाल, मोहित चौधरी, सरजीत चौधरी एवं सुनील कुमार दीक्षित शामिल हैं। बुधवार को विकास भवन सभागार में समिति की प्रथम जिलास्तरीय बैठक मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पशुओं के प्रति समाज को

जागरूक करना और पशु क्रूरता के विभिन्न मामलों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। समिति पशु बाजार, पशु मेलों में होने वाली क्रूरता, अंधविश्वास एवं कुरीतियों के कारण पशुओं पर अत्याचार, पशु परिवहन नियमों के उल्लंघन आदि मामलों का संज्ञान लेकर जिला प्रशासन और पुलिस को सूचित करेगी। बैठक में समिति सदस्यों, वन विभाग, पशु पालन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया और बहुमूल्य सुझाव दिए। सदस्यों ने पुलिस विभाग से सहयोग की अपील की। वन विभाग के अधिकारियों ने प्रतिबंधित पशु-पक्षियों की खरीद-बिक्री एवं क्रूरता के मामलों में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी सुझावों पर त्वरित अमल करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने सभी उपस्थित सदस्यों एवं अधिकारियों को सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह समिति पशुओं को उनके अधिकार दिलाने और पशु कल्याण कार्यों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पशु हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग हैं, इसलिए उनके प्रति होने वाले अत्याचार को रोकना सामूहिक जिम्मेदारी है।

स्थानीय ग्रामीण निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग के राजनीतिक आरक्षण पर आयोग ने की जनसुनवाई प्राप्त किये सुझाव

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राम औतार सिंह, सदस्य बृजेश कुमार, संतोष कुमार विश्वकर्मा, एस०पी० सिंह तथा विशेष कार्याधिकारी एम०ए० अंसारी का जनपद भ्रमण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जनपद आगमन पर आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र तथा जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा पुष्पगुच्छ, हरित उपहार एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया गया। इसके पूर्व उन्हें गार्द द्वारा सलामी दी गई। तत्पश्चात कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में प्रशासक जिला पंचायत, अमरोहा, प्रशासक क्षेत्र पंचायत अमरोहा, जोया, गजरौला एवं हसनपुर, समस्त विकास खण्डों से आए प्रशासक ग्राम पंचायत, निवर्तमान क्षेत्र पंचायत सदस्य, मुख्य विकास अधिकारी तथा जिलाधिकारी की उपस्थिति में संगोष्ठी/बैठक आयोजित की गई, जिसमें पिछड़ा वर्ग से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया।

अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग न्यायमूर्ति राम औतार सिंह द्वारा आयोग की कार्यप्रणाली, रूपरेखा तथा जनपद भ्रमण के उद्देश्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को अवगत कराया कि आयोग के गठन का उद्देश्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग की आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करते हुए यह आकलन करना है कि स्थानीय ग्रामीण निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए राजनीतिक पदों पर आरक्षण का प्रतिशत कितना होना चाहिए। जनसुनवाई (आपत्ति एवं सुझाव) के दौरान आयोग द्वारा विकास खण्डवार स्थानीय ग्रामीण निकायों में होने वाले आगामी निर्वाचन के संबंध में अन्य पिछड़ा वर्ग के राजनीतिक आरक्षण पर विस्तृत चर्चा की गई। आयोग के सदस्य बृजेश कुमार (सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश) द्वारा बैठक में उपस्थित प्रशासक जिला पंचायत ललित तंवर, प्रशासक क्षेत्र पंचायत, प्रशासक ग्राम पंचायत, निवर्तमान क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा अधिकारियों से जनपद में अन्य पिछड़ा वर्ग समाज की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक स्थिति तथा स्थानीय ग्रामीण निकायों के पदों पर उनकी भागीदारी के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार द्वारा आयोग को अवगत कराया गया कि जनपद में अन्य पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या 7,51,508 (57.44 प्रतिशत) तथा अनुसूचित जाति की जनसंख्या 2,57,313 (19.67 प्रतिशत) है। जनपद की कुल 576 ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधान के 576 पदों में पूर्व निर्धारित आरक्षण प्रतिशत के अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 156 पद आरक्षित हैं, जबकि इनके सापेक्ष 314 व्यक्ति अन्य पिछड़ा वर्ग समाज से निर्वाचित हुए हैं। इसी प्रकार क्षेत्र पंचायत के कुल 653 पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 171 पद आरक्षित हैं, जबकि इनके सापेक्ष 359 व्यक्ति अन्य पिछड़ा वर्ग से निर्वाचित हुए हैं। आयोग के सदस्यों द्वारा बताया गया कि नगरीय निकाय एवं स्थानीय ग्रामीण निकायों के चुनाव से पूर्व राजनीतिक आरक्षण की वर्तमान स्थिति तथा पिछड़ेपन के वास्तविक स्वरूप का आकलन किया जाना आवश्यक है। इस संबंध में आयोग द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से प्रश्नोत्तर के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त की गई। अंत में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा आयोग के अध्यक्ष, सदस्यों तथा बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक का समापन किया गया।

रबी सीजन के लिए शुरू हुई बीज बुकिंग, किसानों से समय पर पंजीकरण की अपील

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के किसानों के लिए अच्छी खबर है। आगामी रबी सीजन के लिए सरसों, गेहूं, मटर, मसूर, चना और तोरिया के बीजों की बुकिंग शुरू हो गई है। जिला प्रशासन ने किसानों को सूचित किया है कि वे आधिकारिक वेबसाइट www.agriculture.up.gov.in पर जाकर आसानी से ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। बुकिंग में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर किसान अपने ब्लॉक के बीज भंडार प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं। बुकिंग के बाद ई-लॉटरी के माध्यम से चयन किया

जाएगा और ढडर मशीन से बीजों का वितरण होगा। जिसमें तोरिया बीज बुकिंग की अंतिम तिथिः 16 अगस्त 2026, मटर, मसूर, चना एवं सरसों की बुकिंग अंतिम तिथिः 10 सितंबर 2026, गेहूं एवं जौ बीज बुकिंग की अंतिम तिथिः 30 सितंबर 2026, जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे अनुदान प्राप्त बीज और निःशुल्क मिनी किट का लाभ लेने के लिए समय रहते बुकिंग अवश्य कर लें। देरी से बुकिंग करने वाले किसान इस योजना का लाभ नहीं ले पाएंगे। सरकारी बीजों की गुणवत्ता उच्चस्तरीय होती है,
जो अच्छी पैदावार देने में सहायक सिद्ध होती है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे बुकिंग की प्रक्रिया को पूरा करने के बाद ई-लॉटरी के परिणाम की भी नियमित रूप से जांच करते रहें। यह योजना किसानों को सस्ते और प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है, जिससे रबी फसल उत्पादन में वृद्धि हो सके।

कांवड़ियों की सुरक्षा एवं ट्रैफिक कंट्रोल को सौंपी 100 ट्रैफिक कोन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- सावन माह में कांवड़ियों की सुरक्षा एवं यातायात नियंत्रण के लिए जुबिलेंट ने ट्रैफिक पुलिस को 100 ट्रैफिक कोन प्रदान की हैं। बुधवार की शाम पांच बजे जुबिलेंट परिसर में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने यातायात उप निरीक्षक विनोद कुमार वाजपेयी को ट्रैफिक कोन सौंपीं। टीएसआई का कहना था कि इन ट्रैफिक कोन का उपयोग कांवड़ यात्रा मार्ग एवं दिल्ली-

लखनऊ नेशनल हाईवे 09 पर किया जाएगा। बता दें कि जुबिलेंट पूर्व में भी शिव भक्त कांवड़ियों की सुरक्षा एवं हाईवे पर यातायात नियंत्रण में सहयोग के लिए चेनल गेट, अवरोधक, ट्रैफिक कोन आदि सामान पुलिस विभाग को प्रदान कर चुका है। जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि कंपनी शिक्षा, खेल, युवा कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, चिकित्सा-,स्वास्थ्य आदि सामाजिक सरोकारों से जुड़े क्षेत्रों में सतत कार्य कर रही है। पुलिस विभाग को ट्रैफिक कोन देना भी इसी की एक कड़ी है।

विदेशी बाजार तक पहुंचेगा सम्भल का आलू, किसानों को मिलेगा बेहतर दाम

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद से आलू के निर्यात को बढ़ावा देने और किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार, बहजोई में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, उद्यान, कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग के अधिकारियों, कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के प्रतिनिधियों तथा गुजरात से आए प्रमुख आलू निर्यातकों ने भाग लिया। बैठक में उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जनपद सम्भल में आलू निर्यात की अपार संभावनाएं हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए इच्छुक किसानों एवं एफपीओ को निर्यात से जोड़ने के लिए यह पहल की गई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के समन्वय से किसानों को निर्यात प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों तथा तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जिला उद्यान अधिकारी सौरभ बंसल ने बताया कि सम्भल में मुख्य रूप से चिप्सोना, पुखराज, सूर्या एवं ख्याति प्रजाति के आलू का उत्पादन होता है। इन किस्मों की गुणवत्ता बेहतर होने के कारण इनके निर्यात की अच्छी संभावनाएं हैं। कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग के निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति-2019 की जानकारी देते हुए बताया कि 50 हेक्टेयर क्षेत्र में क्लस्टर बनाकर कुल उत्पादन का कम से कम 30 प्रतिशत निर्यात करने पर 10 लाख रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बताया कि अब पूरे ब्लॉक में 50 हेक्टेयर क्षेत्र होने पर भी क्लस्टर बनाया जा सकेगा। साथ ही नए एफपीओ को निर्यातक के रूप में विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। गुजरात से आए एसआर ग्रुप के विजय सहगल, योगेश आर्या तथा मंत्रा कंपनी के आशीष जैन ने बताया कि उनकी कंपनियां अब तक 70 हजार टन आलू का निर्यात कर चुकी हैं। उन्होंने किसानों और व्यापारियों को जोड़ने वाले पोटैटो बाजार एप की जानकारी देते हुए कम रसायनों के प्रयोग और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनियां एलआर, लाकर एवं ख्याति प्रजाति के 45 मिमी या उससे अधिक आकार वाले आलू की खरीद करने की इच्छुक हैं। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों और एफपीओ को आलू निर्यात की प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि निर्यात बढ़ने से किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा और सम्भल की कृषि उपज राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान बनाएगी।
उन्होंने यह भी कहा कि सम्भल में उर्वरकों एवं रसायनों की खपत अन्य जनपदों की तुलना में लगभग चार प्रतिशत अधिक है, जो अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को प्रभावित कर सकती है। इसलिए वैज्ञानिक एवं संतुलित तरीके से उर्वरकों तथा रसायनों का उपयोग सुनिश्चित करना आवश्यक है। बैठक में किसानों से गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर विशेष ध्यान देने की अपील की गई।

सपा का प्रदर्शन, छात्रों पर लाठीचार्ज और अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में गरजे कार्यकर्ता

सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खाँ के नेतृत्व में मंगलवार को सम्भल स्थित पक्का बाग अम्बेडकर पार्क में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की गिरफ्तारी तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। धरने को संबोधित करते हुए फिरोज खाँ ने कहा कि केंद्र सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का काम कर रही है। उनका आरोप था कि छात्रों की आवाज दबाने के लिए उन पर बल प्रयोग किया गया और विपक्ष की आवाज को कुचलने के उद्देश्य से अखिलेश यादव की गिरफ्तारी की गई। उन्होंने कहा कि सरकार संविधान की भावना के विपरीत कार्य कर रही है और जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए,
अखिलेश यादव की गिरफ्तारी जैसे कदमों पर जवाब दिया जाए तथा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें। धरना-प्रदर्शन के दौरान समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर जाहिद खाँ, अजमत, सतीश, जबर सिंह, कुमार पाल, सलीम, मोनिस, ओसामा, राशिद, गोपाल, अजय गौतम सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में कृषि एवं भूमि संरक्षण योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना ,राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना अंतर्गत न्यूट्रीसीरियल्स घटक ,मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेस उत्तर प्रदेश , श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरुद्धार कार्यक्रम एवं जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा बैठक के अंतर्गत बताया गया कि जनपद संभल को खेत तालाब योजना अंतर्गत कुल 13 तालाबों के लक्ष्य प्राप्त हुए हैं जिसके सापेक्ष 22 जुलाई तक कुल 11 कृषकों द्वारा कृषि विभाग के पोर्टल पर आवेदन किया गया है जिनका विवरण अनुमोदन हेतु आपके समक्ष प्रस्तुत है।उप कृषि निदेशक द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के बारे में भी जानकारी दी गई उन्होंने बताया कि इस योजना अंतर्गत जनपद को भूमि सुधार कार्य हेतु कुल 350 हेक्टेयर का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसके सापेक्ष जनपद में कुल 6 परियोजनाओं का चयन कर विवरण अनुमोदन हेतु मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि योजना अंतर्गत कार्य योजना की गाइडलाइन के अनुसार ही किए जाएं तथा समय-समय पर इसकी प्रगति से अवगत भी कराया जाये। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं मिशन योजना अंतर्गत कलस्टर प्रदर्शन, आईपीएम, फसल पद्धति आधारित कृषक प्रशिक्षण जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत मिलेट्स किसान मेला, एक्सपोजर विजिट, मिलेट्स पार्लर आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी। जिसपर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि योजना अंतर्गत नई कृषकों का चयन किया जाए बार-बार एक ही कृषक का चयन किया जाए इसी क्रम में मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेस कार्य योजना के अंतर्गत दिए गए लक्ष्यों का कार्य निर्धारण किया गया । मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया की योजना अंतर्गत लक्ष्यों का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उत्तर प्रदेश श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरुद्धार कार्यक्रम योजनान्तर्गत दिए गए लक्ष्य पर चर्चा की गई उप कृषि निदेशक द्वारा अवगत कराया गया की योजना अंतर्गत कृषको को वितरण हेतु निशुल्क बीज मिनी किट यथा ज्वार, बाजरा , सांवा,कोदो, एवं रागी के प्राप्त हुए हैं जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देश करते हुए कहा कि कृषकों की मांग के अनुसार अधिक से अधिक क्षेत्रफल में श्रीअन्न की बुबाई कराई जाए। सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर योजना अंतर्गत वर्ष 2026 -27 की कार्य योजना पर भी चर्चा की गई चर्चा करते हुए योजना के अंतर्गत अंतर्राज्यीय, राज्य स्तरीय एवं जनपद स्तरीय प्रशिक्षण एवं भ्रमण कराए जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ जिस पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा के कार्यक्रम में नए कृषकों का चयन किया जाए ताकि कृषकों को नई तकनीकी जानकारी मिल सके। योजना अंतर्गत दिए गए लक्ष्यों की शत प्रतिशत पूर्ति करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग राजीव कुमार तथा जिला कृषि अधिकारी प्रबोध मिश्रा, कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र डॉ महावीर सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी तथा किसान बंधु आदि उपस्थित रहे।

परिवार परामर्श केंद्र में तीन बिखरे परिवारों का हुआ मिलन, छह का कराया गया निस्तारण

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देश एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के निर्देशन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चन्दौसी में परामर्श केंद्र प्रभारी एवं थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को काउंसलरों की सहायता से आपसी सहमति और सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। इस दौरान कुल 27 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई। सुनवाई के बाद 6 मामलों का निस्तारण किया गया, जबकि 3 बिखरे परिवारों को आपसी समझौते के बाद दोबारा साथ रहने के लिए राजी कर दिया गया। वहीं 2 मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई, जबकि 1 पत्रावली आवेदक द्वारा बल न दिए जाने एवं अन्य कारणों से बंद कर दी गई। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं परामर्शदाता उपस्थित रहे।

नीट पेपर लीक और अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में सपा का प्रदर्शन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- नीट पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के आंदोलन के समर्थन में पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को जनपद सम्भल में समाजवादी पार्टी कार्यकताओं ने जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। सम्भल और बहजोई में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सम्भल में जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी के नेतृत्व तथा बहजोई के इस्लामनगर चौराहे पर जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सपा नेता और कार्यकर्ता एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर नीट पेपर लीक वापस लो, छात्रों पर अत्याचार बंद करो और अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाए। धरने को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि नीट पेपर लीक भाजपा सरकार की विफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के समर्थन में जंतर-मंतर पहुंचे अखिलेश यादव को गिरफ्तार कर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया गया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी छात्रों और युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी है तथा दोषियों पर कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी और सपा नेता सोहेल इकबाल समेत कुछ नेताओं को हिरासत में लेकर सम्भल कोतवाली ले गई। वहां कुछ समय तक बैठाने के बाद उन्हें पुलिस ने छोड़ दिया। सपा नेताओं ने मांग की कि नीट परीक्षा रद्द कर नए सिरे से कराई जाए, पेपर लीक में शामिल सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तथा छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को सख्त सजा दी जाए। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने कार्यकताओं से अनुशासन बनाए रखने और सरकार की छात्र विरोधी नीतियों को जनता के बीच ले जाने का आह्वान किया।
उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अन्याय के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी और छात्रों, नौजवानों तथा पीडीए के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी।
धरना-प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

आरएस इंटर कॉलेज में अभाविप का सदस्यता अभियान, छात्र-छात्राओं ने ली सदस्यता

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा प्रदेशभर में 15 जुलाई से 5 अगस्त तक चलाए जा रहे इंटर कॉलेज सदस्यता अभियान के तहत बुधवार को नगर इकाई चन्दौसी ने आरएस इंटर कॉलेज में सदस्यता अभियान आयोजित किया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने अभाविप की सदस्यता ग्रहण कर राष्ट्र निर्माण और छात्र हितों के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।
कार्यक्रम में परिषद के कार्यकताओं ने विद्यार्थियों को संगठन की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों एवं विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी तथा अधिक से अधिक संख्या में सदस्य बनकर संगठन से जुड़ने का आह्वान किया। नगर मंत्री आशीष ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, राष्ट्रहित और छात्र हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि परिषद से जुड़कर युवा राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान केवल संगठन का विस्तार नहीं, बल्कि जागरूक, जिम्मेदार और राष्ट्रभक्त छात्र शक्ति तैयार करने का एक सशक्त माध्यम है। परिषद का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र सेवा की भावना विकसित करना है। इस अवसर पर नगर मंत्री आशीष, शोएब, सदब, विनीता, सपना सहित अनेक परिषद कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सम्भल में ई-रिक्शाओं के लिए नया रूट प्लान किया गया लागू

प्रतिबंधित मार्गों में प्रवेश पर चालान, वाहन जब्ती समेत होगी सख्त कार्रवाई

सम्भल(सब का सपना):- कस्बा सम्भल की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और जाममुक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी सम्भल एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व तथा प्रभारी यातायात के निकट पर्यवेक्षण में ई-रिक्शाओं के लिए नया रूट प्लान लागू कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में ई-रिक्शाओं के संचालन के लिए निर्धारित मार्ग तय किए गए हैं, जबकि कई प्रमुख मार्गों पर इनके प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही विभिन्न स्थानों पर नो-पार्किंग जोन घोषित कर बैरियर एवं फ्लेक्सी बोर्ड लगाए गए हैं, ताकि अनावश्यक जाम की स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।
यातायात जागरूकता अभियान के तहत हेड कांस्टेबल सोनू अहलावत ने ई-रिक्शा चालकों को नए रूट प्लान की विस्तृत जानकारी देते हुए निर्धारित मार्गों का पालन करने, नो-पार्किंग क्षेत्रों में वाहन खड़ा न करने तथा सड़क पर अनावश्यक रूप से रुककर यातायात बाधित न करने की हिदायत दी। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था का उद्देश्य आमजन को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात उपलब्ध कराना है। ई-रिक्शा चालकों ने भी नियमों का पालन करने और यातायात पुलिस का सहयोग करने का आश्वासन दिया। नई व्यवस्था के अनुसार शंकर चौराहा से कोतवाली, पोस्ट ऑफिस तिराहा (जामा मस्जिद) से कोतवाली तथा तेल मंडी वाली गली से सराफा बाजार तक ई-रिक्शाओं का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा अस्पताल चौराहा, कोतवाली, सराफा बाजार, नखासा तिराहा एवं एसबीआई तिराहा सहित कई प्रमुख मार्गों पर वन-वे व्यवस्था लागू की गई है और सभी ई-रिक्शा चालकों को केवल निर्धारित रूट का ही पालन करना होगा। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रमुख चौराहों एवं प्रतिबंधित मार्गों पर नियमित निगरानी की जाएगी। यदि कोई ई-रिक्शा चालक प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करता हुआ पाया गया या निर्धारित रूट का उल्लंघन करता है, तो उसके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान, ई-रिक्शा जब्त करने सहित अन्य विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने सभी वाहन चालकों एवं आमजन से यातायात नियमों का पालन कर सम्भल को जाममुक्त, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान शुरू, डीएम ने वाहनों को दिखाई हरी झंडी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जनपद में खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ बुधवार को किया गया। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह ने कलक्ट्रेट परिसर से टीकाकरण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह ने बताया कि 21वीं पशुगणना के अनुसार जनपद सम्भल में 6 लाख 51 हजार 826 पशु हैं। सभी पशुओं को खुरपका-मुंहपका रोग से सुरक्षित रखने के लिए 22 जुलाई से 8 सितंबर तक विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद के प्रत्येक विकासखंड में तीन-तीन टीमें गठित की गई हैं, जो गांव-गांव पहुंचकर पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण करेंगी। अभियान का उद्देश्य पशुओं को खुरपका-मुंहपका जैसी संक्रामक बीमारी से बचाना तथा पशुपालकों की आर्थिक हानि को रोकना है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने पशुपालकों से अपील की कि वे अपने सभी पशुओं को इस अभियान के दौरान निःशुल्क एफएमडी टीका अवश्य लगवाएं और टीकाकरण टीमों का सहयोग करें, ताकि जनपद को इस बीमारी से सुरक्षित बनाया जा सके।

गुलदार के हमले में मौत की खबर निकली झूठी, बेटा ही निकला माँ का हत्यारा

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र के गांव अभीपुर जट में महिला की मौत के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जिस घटना को प्रारंभ में गुलदार के हमले से हुई मौत माना जा रहा था, वह दरअसल हत्या निकली। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मृतका के छोटे बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार गांव अभीपुर जट निवासी बीरो देवी जंगल गई थीं। कुछ समय बाद सूचना मिली कि उन पर गुलदार ने हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण संदिग्ध पाए जाने पर पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया। जांच के दौरान मृतका के छोटे बेटे बाहर सिंह की गतिविधियां संदिग्ध मिलने पर उससे पूछताछ की गई। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपनी मां की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी ने पुलिस को बताया कि घर में आए दिन होने वाले विवादों और झगड़ों से परेशान होकर उसने अपनी मां का गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद घटना को गुलदार के हमले का रूप देने के लिए गांव में गुलदार द्वारा हमला किए जाने की अफवाह फैला दी, ताकि किसी को उस पर संदेह न हो।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। घटना का खुलासा होने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

दुकान में घुसा जहरीला सांप, किया गया रेसक्यू

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना अफजलगढ़ क्षेत्र के कादराबाद में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक दुकान में अचानक जहरीला सांप घुस आया। सांप को देखते ही दुकान मालिक अपनी जान बचाकर बाहर निकल आया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों और दुकानदारों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। दुकान में सांप घुसने की खबर से क्षेत्र के दुकानदारों में हड़कंप मच गया और कुछ समय के लिए लोगों में दहशत का माहौल बना रहा। सूचना पर पहुंचे स्थानीय सर्प विशेषज्ञ पिंटू बाबा ने सावधानीपूर्वक सांप का रेस्क्यू किया। इसके बाद सांप को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। समय रहते सांप को सुरक्षित पकड़ लिए जाने से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

गुलदार के हमले में मौत की खबर निकली झूठी, बेटा ही निकला माँ का हत्यारा

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर तहसील क्षेत्र में मिट्टी खनन को लेकर एक बार फिर विवाद सामने आया है। आरोप है कि गांव आजमपुर उर्फ रतनगढ़ के लिए स्वीकृत खनन स्थल के बजाय फिना क्षेत्र के दोस्तपुर के जंगल से मिट्टी का खनन किया जा रहा है। मामले को लेकर बुधवार को शिवसेना (शिंदे गुट) के जिला उप प्रमुख मुकेश लाम्बा अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, आजमपुर उर्फ रतनगढ़ में 18 जून 2026 से 16 अगस्त 2026 तक लगभग

15,293 घन मीटर मिट्टी खनन की अनुमति प्रदान की गई है। आरोप है कि स्वीकृत स्थल पर खनन न करके फिना क्षेत्र के दोस्तपुर के जंगल में दूसरी जगह से मिट्टी निकाली जा रही है। बुधवार को मुकेश लाम्बा दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे और स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां कोई डंपर या अन्य वाहन मौजूद नहीं मिला, लेकिन उन्होंने मौके पर खनन के निशान होने का दावा किया। मुकेश लाम्बा ने कहा कि यदि खनन की अनुमति आजमपुर उर्फ रतनगढ़ के लिए जारी की गई है,
तो कार्य भी उसी स्थान पर होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरी जगह से मिट्टी निकाले जाने की शिकायतें गंभीर हैं और प्रशासन को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व तहसीलदार भी मौके पर पहुंचकर कथित खनन कार्य को रुकवा चुके हैं। अब प्रशासन की जांच और रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

कुएं की होजिया में मिला अज्ञात शव, पीएम के लिए भेजा, जांच जारी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना कोतवाली शहर क्षेत्र के बकली गांव में पेट्रोल पंप के पीछे स्थित एक कुएं की होजिया में एक अज्ञात युवक का शव तैरता हुआ मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। सूचना मिलते ही थाना कोतवाली शहर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से शव को होजिया से बाहर निकलवाया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। साथ ही, युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच भी शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

बछरायूं थाने में कांवड़ यात्रा के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक का आयोजन,डीजे संचालकों को दिए निर्देश

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- आगामी श्रावण मास की कावड़ यात्रा को सकुशल संपन्न करने के लिए बछरायूं थाने में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें पीस कमेटी के सदस्यों,सभी डीजे संचालकों एवं जत्थे दारों ने भाग लिया और पुलिस प्रशासन को कावड़ यात्रा को से कुशल संपन्न कराने में सहयोग देने का आश्वासन दिया। वहीं पीस कमेटी के सदस्यों से आपसी भाईचारा और कौमी एकता बनाए रखने का आह्वान किया गया। बता दें कि श्रावण कांवड़ यात्रा और आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के मकसद से बछरायूं थाना परिसर में एक गोष्ठी आयोजित की गई। थाना प्रभारी

कुलदीप तोमर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में क्षेत्र के डीजे संचालकों, कांवड़ जत्थेदारों और पीस कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया। गोष्ठी में थाना प्रभारी ने शासन और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का शत-प्रतिशत पालन करने की अपील की। डीजे संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग न्यायालय और प्रशासन की ओर से तय मानकों और ध्वनि सीमा के भीतर ही करें। किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक, भड़काऊ या धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले गीतों के बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कांवड़ जत्थेदारों से पुलिस ने यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखने, पूर्व निर्धारित मार्गों का पालन करने और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने में सहयोग की अपील की।पुलिस ने यह भी कहा कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और क्षेत्र में कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। पीस कमेटी के सदस्यों से क्षेत्र में आपसी भाईचारा और कौमी एकता बनाए रखने का आह्वान किया गया। बैठक के अंत में सभी डीजे संचालकों, जत्थेदारों और पीस कमेटी सदस्यों ने पुलिस-प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने तथा त्योहारों व यात्रा को सकुशल संपन्न कराने का आश्वासन दिया।

जंतर मंतर धरने में शामिल होने जा रहे ब्लॉक प्रमुख को किया गया हाउस अरेस्ट

जनप्रतिनिधियों की आवाज दबाना लोकतंत्र के खिलाफः- राजेंद्र सिंह खड्गवंशी

अमरोहा (सब का सपना):- दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे विकासखंड गगेश्वरी के ब्लॉक प्रमुख व सपा नेता राजेंद्र सिंह खड्गवंशी को बुधवार को उनके आवास पर पुलिस प्रशासन ने हाउस अरेस्ट कर लिया। जानकारी के अनुसार ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी को राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे धरने में भाग लेने के लिए दिल्ली जाना था। लेकिन सुबह ही पुलिस बल उनके आवास पहुंच गया और उन्हें घर से बाहर न निकलने के निर्देश दिए। आरोप है कि हाउस अरेस्ट के चलते वह न केवल जंतर मंतर के धरने में शामिल नहीं हो सके, बल्कि अपने विधानसभा क्षेत्र के पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में भी नहीं

पहुंच पाए। इससे क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में सहभागी होने का उनका अवसर भी छिन गया। हाउस अरेस्ट की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ब्लॉक प्रमुख खड्गवंशी ने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की आवाज को दबाने का प्रयास अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जंतर मंतर पर चल रहा धरना पेपरलीक, महंगाई, बेरोजगारी और किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ था। ऐसे में एक जनप्रतिनिधि को अपनी बात रखने से रोकना लोकतांत्रिक मूल्यों का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनना, उनके सुख-दुख में शामिल होना और उनकी आवाज उठाना मेरा दायित्व है। लेकिन भाजपा सरकार की तानाशाहीपूर्ण कार्यशैली के चलते जनप्रतिनिधियों की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र और प्रदेश की सरकारें विरोध की हर आवाज को कुचलना चाहती हैं।

राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने स्पष्ट किया कि ऐसे कदम उन्हें जनता की सेवा से रोक नहीं सकते। उन्होंने कहा कि वह हर परिस्थिति में अपने क्षेत्रवासियों के अधिकारों, सम्मान और विकास के लिए संघर्ष करेंगे। जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। हम सड़क से लेकर सदन तक जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे।

पुलिस मुठभेड़ में गौवध का एक आरोपी गिरफ्तार दो फरार , तलाश जारी

बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के हल्दौर थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के पुलिस और गोवध के आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में एक आरोपी घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। मौके से गोवंशीय मांस, गोवध में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, अवैध तमंचा और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब साढ़े चार बजे मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम भवानीपुर के जंगल में कुछ लोग गोवध कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष बिजेंद्र राठी के नेतृत्व में पुलिस टीम

मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। पुलिस का कहना है कि खुद को घिरता देख आरोपितों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्यवाही की, जिसमें लईक पुत्र हसीबुद्धीन निवासी भवानीपुर घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने गोवंशीय मांस, दो चापड़, एक छुरी, लोहे की रॉड, लकड़ी का गुटका, 315 बोर का अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की टीवीएस स्पोर्ट मोटरसाइकिल बरामद की है। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने अपने दो फरार साथियों के नाम सुल्तान पुत्र अमीनुद्दीन और आसिम पुत्र छुन्नू, निवासी ग्राम अथाई जमरुद्दीन बताए हैं। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार फरार आरोपी सुल्तान थाना हल्दौर का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ गोवध अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

गजरौला के नोबल पब्लिक स्कूल में अलंकरण समारोह का शानदार आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर स्थित नोबल पब्लिक स्कूल अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विद्यालय की प्रधानाचार्या नवनीत उपाध्याय एवं चेयरपर्सन राजीव उपाध्याय रहे। मुख्य अतिथियों का विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक परेड के माध्यम से स्वागत किया गया। दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।बता दें कि बुधवार को आयोजित इस भव्य कार्यक्रम का संचालन तरुण एवं प्रियंका ने किया ।समारोह में विद्यालय के चारों हाउस अभिमन्यु, ध्रुव, एकलव्य एवं प्रह्लाद के लिए समग्र परफेक्ट, अनुशासन परफेक्ट, खेल परफेक्ट, वेलनेस परफेक्ट, उप-हाउस कैप्टन एवं हाउस कैप्टन का बैज पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही विद्यालय के हेड बॉय अंकुश, हेड गर्ल मनी रानी सिंह, उप-हेड बॉय तुषार एवं उप-हेड गर्ल खुशी को भी बैज पहनाकर सम्मानित किया गया और नेतृत्व की शपथ दिलाई गई।कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या नवनीत उपाध्याय ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में सभी नवनिर्वाचित छात्र-छात्राओं को अनुशासन, नेतृत्व, सेवा-भाव एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का गरिमामय समापन हुआ।इस अवसर पर डायरेक्टर शुभम एवं उप-प्रधानाचार्या तोषिमा उपाध्याय, जया पाण्डेय, विनीत कुमार, सोनम चौधरी, सपना सिंघल, शालिनी सिंह, कपिल कुमार, तरुण जग्गा, अनवर, ऋतिक, प्रियांशी, मोहन गुप्ता, मनोज, पंकज, स्वाति, रिया, रीना, रंजना, गीता, आकिब, शोबिंदर सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर किया शिव-विवाह झांकी का स्वागत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के हल्दौर क्षेत्र के गांव पैजनियां स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन बुधवार को भगवान शिव-विवाह की आकर्षक झांकी और भव्य शिव बारात ने श्रद्धालुओं को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया। शिव बारात में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं युवा श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया और "हर-हर महादेव" के जयघोषों से वातावरण गूंज उठा। कथाव्यास सिद्धिविनायक आश्रम के पंडित शिवानंद भारद्वाज ने कथा के दौरान भगवान शिव के दिव्य चरित्र, त्याग, करुणा और लोककल्याणकारी स्वरूप का वर्णन करते हुए कहा कि

श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और जीवन को सही दिशा देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा एवं भक्ति भाव से कथा श्रवण करने वाला व्यक्ति सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष के मार्ग की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से सत्य, सेवा, संयम और सदाचार को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

कथा के उपरांत भगवान शिव-विवाह की झांकी एवं शिव बारात मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर मोहल्ला देवीपुरा, बाबा जीवनदास मंदिर, हनुमान मंदिर सहित गांव के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए बारात के साथ चलते रहे। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने रंग-गुलाल उड़ाकर शिव बारात का स्वागत किया तथा प्रसाद वितरण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इससे पूर्व आचार्य पंडित विजय भारद्वाज ने मुख्य यजमान विनीत त्यागी व सपना त्यागी के साथ मनोज त्यागी, अलका त्यागी, प्रिंस त्यागी एवं विशाखा त्यागी से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन एवं अनुष्ठान संपन्न कराया।

इस अवसर पर भजन गायक विक्रांत शर्मा, हिमांशु चौरसिया, महेंद्र गिरी, नीरज शर्मा, संजीव शर्मा, रानी शर्मा, मूलचंद शर्मा, रक्षित त्यागी, रवि दत्त शर्मा, विशाल त्यागी, सोनू शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भारतीय झंडा दिवस पर तिरंगे के सम्मान में जुटे व्यापारी, राष्ट्रभक्ति का लिया संकल्प

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- भारतीय झंडा दिवस के अवसर पर बुधवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई द्वारा चंदौसी के कैथल रोड स्थित एक निजी प्रतिष्ठान पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन युवा इकाई के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में हुआ, जिसमें व्यापारियों एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को सलामी देकर की गई। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा

वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया था। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान तथा करोड़ों भारतीयों के त्याग और बलिदान का प्रतीक है। प्रत्येक व्यापारी को व्यापार के साथ राष्ट्रहित को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। डॉ. टी.एस. पाल ने कहा कि झंडा दिवस हमारे वीर सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने और उनके बलिदान को याद करने का अवसर है। वहीं शुभम अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा हमें राष्ट्र की एकता, संविधान के सम्मान और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता ह। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को भारतीय झंडा दिवस की शुभकामनाएं दीं और समाज में देशभक्ति की भावना को और मजबूत करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डॉ. टी.एस. पाल, भाजपा नेता अभिनव शर्मा, शुभम अग्रवाल, निशांत शर्मा, प्रदीप वार्ष्णेय, गोविंद वार्ष्णेय, अतुल कश्यप सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
गुरुवार 23 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

एंबुलेंस में ही हुआ सुरक्षित प्रसव, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

डिबाई में 102 सेवा की तत्परता से बची दो जिंदगियां, ईएमटी अंशिका की सूझबूझ की सराहना

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- 102 एंबुलेंस सेवा की तत्परता और ईएमटी की सूझबूझ से बुधवार को एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव हो गया। इस दौरान जच्चा और नवजात दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। जानकारी के अनुसार डिबाई क्षेत्र के गांव खेरिया बक्स निवासी ब्रजेश देवी को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तुरंत 102 एंबुलेंस सेवा पर सूचना दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस गांव पहुंची और आशा कार्यकर्ता के साथ प्रसूता को दानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया जा रहा था। रास्ते में डिबाई के गांव हुसैनपुरा के पास प्रसव पीड़ा अचानक तेज हो गई। स्थिति को देखते हुए एंबुलेंस को रोकना पड़ा। इस दौरान एंबुलेंस पर तैनात ईएमटी अंशिका कुमारी ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया। इसके बाद जच्चा और नवजात को सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां दोनों की हालत सामान्य बताई जा रही है। एंबुलेंस सेवा के प्रोग्राम मैनेजर सर्वोत्तम यादव ने बताया कि "समय पर सूचना मिलने और कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से प्रसूता का सुरक्षित प्रसव संभव हो सका। जच्चा और नवजात दोनों स्वस्थ हैं। 102 और 108 एंबुलेंस सेवाएं आपात स्थिति में गर्भवती महिलाओं और मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर तत्पर हैं। वहीं प्रसूता के परिजनों ने एंबुलेंस कर्मियों की सूझबूझ और समय पर मदद के लिए आभार व्यक्त किया।

रवानी कटीरी में "श्री राम" लिखे बोर्ड को लेकर विवाद, मारपीट में 2 घायल, दोनों पक्ष पुलिस चौकी पहुंचे

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव रवानी कटीरी में आम रास्ते पर लगे बोर्ड पर लिखे श्री राम के नाम को लेकर बुधवार को दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। मामले में 2 लोग घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार आम रास्ते पर लगे एक बोर्ड पर "श्री राम" लिखा था। इसी को लेकर एक पक्ष ने अनर्गल टिप्पणी शुरू कर दी। जब दूसरे पक्ष ने इसका विरोध किया तो दोनों पक्षों में पहले बहस और फिर मारपीट शुरू हो गई।आरोप है कि अनर्गल बातें करने वाले पक्ष ने पास के दो गांवों से अपने साथियों को बुला लिया। इसके बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने दूसरे पक्ष के साथ जमकर मारपीट की। इसमें नवीन कुमार नामक व्यक्ति को सिर में गंभीर चोट आई। वहीं दूसरे पक्ष का भी एक व्यक्ति घायल हुआ है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को पुलिस चौकी ले जाया गया। पुलिस ने दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया। गंभीर चोट के कारण नवीन कुमार को एक्स-रे के लिए बुलंदशहर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। फिलहाल दोनों पक्षों के बीच समझौते के प्रयास किए जा रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक कोई तहरीर नहीं दी गई थी। पुलिस का कहना है कि एक्स-रे रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

डीपीबीएस में मौलिक अधिकार विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

अनूपशहर/बुलंदशहर (सब का सपना):- डीपीबीएस कॉलेज में बुधवार को प्राचार्य प्रो. गिरीश कुमार सिंह के निर्देशन में "मानवीय जीवन में मौलिक अधिकारों का महत्त्व" विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. राधा उपाध्याय ने विद्यार्थियों को मौलिक अधिकारों के महत्व की जानकारी दी। प्रतियोगिता में एमए द्वितीय वर्ष के करन कुमार ने प्रथम, मीनाक्षी लोधी ने द्वितीय तथा तरुण कुमार सैनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रो. चंद्रावती, डॉ. यजवेंद्र कुमार, डॉ. नरेश चन्द्र, अनिल कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

सैटलाइट फोन और हाई-स्पीड इंटरनेट से लैस 'कंट्रोल रूम', उपद्रवियों को पहचानने में जुटी दिल्ली पुलिस की स्पेशल वैन

नई दिल्ली। राजधानी में सीजेपी द्वारा संसद मार्च के दौरान भड़की हिंसा के बाद दिल्ली पुलिस ने अब उपद्रवियों और पूरे घटनाक्रम के पीछे की साजिश का पदार्फाश करने के लिए जांच तेज कर दी है। पुलिस हिंसा में शामिल प्रत्येक व्यक्ति की पहचान करने के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा ले रही है। इसके तहत फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) और पुलिसकर्मियों की वर्दी पर लगे बाडी वार्न कैमरों की फुटेज खंगाल उपद्रवियों की पहचान कर रहा है। पुलिस का कहना है कि डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर हिंसा में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जांच के केंद्र में अब डिजिटल साक्ष्य हैं। पुलिस प्रदर्शन स्थल जंतर-मंतर, संसद मार्ग, आउटर सर्कल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग की जांच कर रही है। इसके साथ ही पुलिस के बॉडी वार्न कैमरों से रिकार्ड वीडियो, ड्रोन से ली गई फुटेज और इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुए वीडियो भी एकत्र किए गए हैं। इन सभी वीडियो को तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से फ्रेम-दर-फ्रेम देखा जा रहा है ताकि हिंसा में शामिल लोगों की स्पष्ट पहचान की जा सके। वीडियो के जरिए संदिग्धों के चेहरों का मिलान हालांकि, वीडियो में दिखाई देने वाले संदिग्धों के चेहरों का मिलान फेशियल रिकग्निशन सिस्टम के जरिए उपलब्ध डाटाबेस से किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति की पहचान पहले से उपलब्ध रिकार्ड से होती है तो उसकी भूमिका की अलग से जांच की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हिंसा के दौरान कौन लोग भीड़ को उकसा रहे थे, किसने पथराव या तोड़फोड़ की शुरूआत की और किन लोगों ने पूरे घटनाक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई। जांच एजेंसियों का एक प्रमुख फोकस इस बात पर भी है कि क्या यह हिंसा पहले से सुनियोजित थी। मोबाइल कमांड एंड कंट्रोल व्हीकल से रिकॉर्ड खंगाला जा रहा सोमवार को घटनास्थल पर मौजूद लोगों की गतिविधियों, उनके आने-जाने के रास्तों, मोबाइल फोन से जुड़े तकनीकी साक्ष्यों और डिजिटल सामग्री खंगालने के लिए मोबाइल कमांड एंड कंट्रोल व्हीकल की मदद ली जा रही है। एक विशेष रूप से सुसज्जित मोबाइल कमांड एंड कंट्रोल व्हीकल संकटग्रस्त क्षेत्रों में "चलते-फिरते नियंत्रण कक्ष" के रूप में कार्य करती है। इसमें सैटेलाइट फोन, हाई-स्पीड इंटरनेट और इंटरआपरेबल रेडियो लगे होते हैं, ताकि किसी भी क्षेत्र से पुलिस या सेना मुख्यालय से सीधा संपर्क बना रहे। पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा अपराध या दंगों के नियंत्रण के लिए इस वाहन को तैयार किया जाता है।

हिमाचल बोर्ड की 10वीं-12वीं की फर्जी मार्कशीट बनाकर बेचने वाला गिरोह गिरफ्तार, 10,000 में देते थे मनचाहे नंबर

पूर्वी दिल्ली। दस हजार रुपये में हिमाचल प्रदेश बोर्ड की दसवीं और 12वीं कक्षा की फर्जी मार्कशीट बनाकर बेचने वाले गिरोह का शाहदरा जिले के स्पेशल स्टाफ ने भंडाफोड़ किया है। गिरोह के सरगना शबाब आलम समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके पास से फर्जी मार्कशीट, लैपटॉप व प्रिंटर समेत अन्य सामान बरामद किया है। कैसे हुई गिरोह की शुरूआत? गाजियाबाद राजनगर एक्सटेंशन के रहने वाले शबाब ने साल 2017 में हिमाचल प्रदेश के एक स्थान पर ग्रामीण मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान खोलकर इसे हिमाचल प्रदेश बोर्ड से पंजीकृत करवाया। गड़बड़ी की तो बोर्ड ने पंजीकरण रद कर दिया। इसके बाद शबाब ने एक गिरोह बनाकर मार्कशीट बेचने का धंधा शुरू कर दिया। स्पेशल स्टाफ को मिली थी जानकारी डीसीपी शाहदरा जिला आरपी मीणा ने बताया कि 30 जून को स्पेशल स्टाफ को गुप्त सूचना मिली कि शाहदरा क्षेत्र में एक गिरोह दस हजार रुपये लेकर फर्जी मार्कशीट बनाकर दे रहा है। स्पेशल स्टाफ के इंचार्ज आशीष कुमार के नेतृत्व में एसआई मानवेंद्र, एएसआइ सुलतान, नाजिर व कांस्टेबल सचिन की एक टीम बनाई। एक पुलिसकर्मी ने 12वीं की मार्कशीट बनवाने के लिए नवनीत त्यागी से संपर्क किया। कैसे हुआ पूरा खुलासा? पुलिसकर्मी

ने अपना फोटो व आधार कार्ड नवनीत का भेज दिया। आरोपित ने उससे कहा कि 20 दिन के बाद मार्कशीट मिल जाएगी। 17 जुलाई को स्टाफ की टीम ने जीटी रोड शाहदरा स्थित विकास माल के पास छापेमारी की और नवनीत त्यागी निवासी शाहदरा को गिरफ्तार किया। उसके पास से कई फर्जी मार्कशीट बरामद हुई। उसने पुलिस को बताया कि गिरोह का सरगना शबाब आलम है। वर्ष 2017 व 2018 की तारीख की मार्कशीट बाद में पुलिस ने शबाब व इसके गुर्गे फरीद निवासी मौजपुर को गिरफ्तार किया। शबाब ने पुलिस को बताया कि दो साल तक उसने हिमाचल में अपना संस्थान चलाया। संस्थान बंद होने के बाद एनसीआर में आकर वर्ष 2019 से फर्जी मार्कशीट बनाकर दस हजार रुपये में बेचने लगा। वह 150 लोगों को मार्कशीट दे चुका है। उसका ग्रामीण मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्था था। उसके रजिस्ट्रेशन का दुरुपयोग कर रहा था तो रजिस्ट्रेशन रद हो गया। अब वह वर्ष 2017 व 2018 की तारीख की मार्कशीट बेचता था। दसवीं व 12वीं पास अहर्ता वाली नौकरियों में कारगर पुलिस के अनुसार सुरक्षा गार्ड और आफिस सहायक जैसी अधिकतर नौकरियों में शिक्षा अहर्ता दसवीं व 12वीं पास मांगते हैं। यह गिरोह उन लोगों को निशाना बनाता था जो शिक्षित नहीं थे और उन्हें नौकरी के लिए मार्कशीट चाहिए होती थी।

पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर पता लगा रहा वह कौन लोग है, जिन्होंने गिरोह से मार्कशीट बनवाई है। उपायुक्त ने बताया कि इसकी भी जांच की जा रही है कि इसमें हिमाचल प्रदेश बोर्ड का कोई अधिकारी शामिल है या नहीं। बोर्ड से संपर्क किया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इन तीनों की ही संलिप्तता सामने आ रही है।

अनशन तोड़ने को तैयार सोनम वांगचुक ने रखी 'नई शर्त', बोले- 65 सांसद कर चुके हैं अपील

नई दिल्ली। नीट परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ अनशन पर बैठे सामाजिक एवं जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को बुधवार को पत्र लिखकर उनके अस्पताल पहुंचने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही, अनशन समाप्त करने के लिए एक नई शर्त रखी है। पत्र में अपनी पुरानी शर्तों की दिलाई याद बुधवार को जारी किए गए पत्र में वागचुक ने मंत्रियों को मेदांता अस्पताल में आने और अनशन तोड़ने की अपील करने के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने बैठक के दौरान दिए गए आश्वासनों की याद दिलाते हुए पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को पर्याप्त मुआवजा और संसद में जवाबदेही सुनिश्चित करने पर चर्चा व केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की बात कही है। 65 सांसदों ने अनशन तोड़ने की अपील की वांगचुक ने 20 जुलाई को हुए 'चलो संसद' मार्च की शांतिपूर्ण प्रकृति की सराहना की, भले ही पुलिस द्वारा 'अत्याचार और खेद जताने वाला बल प्रयोग' किया गया हो। उन्होंने लिखा, 'मैं आशा करता हूं कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में इस विश्वास को आगे कानूनी मामलों, उत्पीड़न या भाग लेने वालों के खिलाफ बदले की कार्रवाई से कमजोर नहीं किया जाएगा।' वांगचुक ने बताया कि विभिन्न राजनीतिक दलों के लगभग 65 सांसदों ने उनसे संपर्क किया है और अनशन समाप्त करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वे जीना चाहते हैं और अपने छात्रों, शिक्षा तथा राष्ट्र सेवा के कार्य में वापस लौटना चाहते हैं, लेकिन प्रभावित युवाओं की कीमत पर नहीं। अनशन समाप्त करने की शर्त सोनम वांगचुक के पत्र का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा युवा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ किसी भी दंडात्मक या प्रतिशोधी कानूनी कार्रवाई न करने का स्पष्ट आश्वासन मांगना है। उन्होंने लिखा, 'यदि ऐसा आश्वासन दिया जाता है, तो मैं पूर्ण विश्वास के साथ अपना अनशन समाप्त कर दूंगा कि सरकार ने न केवल मेरी अपील सुनी है बल्कि लाखों युवा भारतीयों की आकांक्षाओं को भी सुना है। यदि यह आश्वासन नहीं मिलता, तो मुझे अनशन को अनिश्चितकाल तक जारी रखना पड़ेगा।' उन्होंने सरकार से आंदोलन को दबाने के लिए अत्यधिक पुलिस बल का और प्रयोग न करने की भी अपील की।

बवाना की हेलमेट फैक्ट्री में लगी आग, एक शव बरामद

बाहरी दिल्ली। बवाना इलाके में एक हेलमेट बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग चार मंजिला इमारत में लगी, जिसे बुझाने के लिए दमकल विभाग की 23 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। लगभग 4 घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर करीब 2:10 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। जानकारी के अनुसार, बवाना थाना अंतर्गत पुठखुर्द स्थित वीर धाम कांटा के समीप हेलमेट निर्माण फैक्ट्री में बुधवार सुबह करीब 9:50 बजे आग लगने की सूचना मिली। आग तेजी से पूरी इमारत में फैल गई, जिसके चलते पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें और पुलिस मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने लगातार करीब चार घंटे तक राहत एवं बचाव अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद फैक्ट्री की तलाशी के दौरान एक जला हुआ शव बरामद हुआ। शव की पहचान अभी नहीं हो सकी है और पुलिस उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर इलाके को घेर लिया और भीड़ को नियंत्रित किया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं।

अन्ना आंदोलन के 15 साल बाद नया मोड़... जंतर-मंतर से राजनीतिक आकार लेने लगी सीजेपी

नई दिल्ली। अमेरिका से आम आदमी पार्टी के पूर्व कार्यकर्ता अभिजीत दीपके द्वारा इंटरनेट मीडिया पर शुरू की गई व्यंग्यात्मक मुहिम ह्यकॉकरोच जनता पार्टीह्न अब दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर राजनीतिक आकार लेने लगी है। यही वह स्थान है, जहां वर्ष 2011 में भ्रष्टाचार के विरुद्ध अन्ना हजारे के आंदोलन से आप का जन्म हुआ था और कई सामाजिक कार्यकताओं और अनाम चेहरों को राजनीतिक पहचान मिली थी। अब 15 वर्षों के बाद फिर उसी प्रकार से शुरू हुए एक गैर-राजनीतिक आंदोलन से नई राजनीतिक पार्टी के उदय की संभावनाएं जताई जाने लगी हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले कुछ युवाओं की तुलना काकरोच से किए जाने के विरोध में दीपके ने इसी वर्ष मई में इंटरनेट मीडिया पर काकरोच जनता पार्टी नाम से अभियान शुरू

किया था। इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या एक करोड़ के पार पहुंचने से उत्साहित दीपके छह जून को अमेरिका से दिल्ली आए और नीट पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर धरना दिया, लेकिन वहां महज कुछ सौ लोग ही पहुंचे। इसके बाद वह लखनऊ में छात्रों के चल रहे एक प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे, किंतु प्रदर्शनकारियों ने उन्हें बोलने तक नहीं दिया। जयपुर में तो उन पर हमला भी हो गया। आखिरकार 20 जून से उन्होंने फिर से जंतर-मंतर पर धरना देना शुरू किया, लेकिन उम्मीद के मुताबिक भीड़ नहीं जुट सकी। इसी बीच, प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक इस आंदोलन से जुड़े और 27 जुलाई से भूख हड़ताल पर बैठ गए। इससे यह आंदोलन चर्चा में तो आ गया, लेकिन अपेक्षित भीड़ का संकट फिर भी बना रहा। जब वांगचुक ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन संसद मार्च की घोषणा की, तो विपक्षी दलों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार को घेरने का यह अच्छा अवसर लगा। और वामपंथी छात्र संगठनों के साथ-साथ धीरे-धीरे मोदी विरोधी नेता भी इस मंच पर जुटने लगे। 18 जुलाई को पुलिस द्वारा वांगचुक को धरना स्थल से हटाकर सफदरजंग अस्पताल पहुंचाए जाने के बाद जंतर-मंतर पर भीड़ बढ़ने लगी। वामपंथी दलों, आम आदमी पार्टी और भीम आर्मी के अलावा समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस तथा एनसीपी सहित अन्य दलों के प्रमुख नेता भी वहां पहुंचने लगे। सोमवार को संसद मार्च में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी पहुंचे, जिसके बाद से यह आंदोलन एक नए मोड़ पर आ गया है। वर्तमान में केंद्र सरकार के मंत्री आंदोलनकारियों से सीधे वार्ता कर रहे हैं, वहीं आंदोलनकारी अपनी शर्तें रख रहे हैं। दूसरी ओर, हाई कोर्ट के निर्देश पर सोनम वांगचुक को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है

दिल्ली यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन डिग्री पर बड़ा फैसला, एसओएल की जगह बनेगा सीडीओई ; जानें छात्रों के लिए क्या बदलेगा

नई दिल्ली। डीयू दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा को नई पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। 24 जुलाई को होने वाली अकादमिक काउंसिल (एसी) की बैठक में विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) को सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) में बदलने का प्रस्ताव रखा जाएगा। शिक्षा के विस्तार होगा मजबूत यह बदलाव केवल नाम परिवर्तन तक सीमित नहीं होगा, बल्कि डीयू की ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था को यूजीसी के नए मानकों के अनुरूप आधुनिक ढांचा देने की दिशा में अहम पहल माना जा रहा है। इसके जरिए भविष्य में ऑनलाइन डिग्री और डिजिटल शिक्षा के विस्तार का रास्ता भी मजबूत होगा। अकादमिक काउंसिल के सप्लीमेंट्री एजेंडा के अनुसार, एसओएल का नाम बदलने के साथ ही इसके प्रिंसिपल का

पदनाम भी बदलकर डायरेक्टर किया जाएगा। यह कदम यूजीसी की 2022 की ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग एवं ऑनलाइन प्रोग्राम्स रेगुलेशन के अनुरूप उठाया जा रहा है। इन नियमों के तहत ओपन यूनिवर्सिटी के अलावा सभी विश्वविद्यालयों में दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा संचालित करने के लिए सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) स्थापित करना अनिवार्य किया गया है। एसोसिएट प्रोफेसर स्तर के अधिकारी का जिम्मा डीयू प्रशासन का कहना है कि डिजिटल शिक्षा की बढ़ती मांग और नई शिक्षा नीति के लक्ष्य को देखते हुए दूरस्थ शिक्षा के ढांचे को आधुनिक बनाना जरूरी हो गया है। सीडीओई बनने के बाद ऑनलाइन और डिस्टेंस मोड के पाठ्यक्रमों के संचालन, गुणवत्ता, शैक्षणिक निगरानी और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जा सकेगा। यूजीसी के प्रावधानों के अनुसार केंद्र का प्रमुख पूर्णकालिक निदेशक होगा, जो कम से कम एसोसिएट प्रोफेसर स्तर का अधिकारी होगा और पूरे केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी संभालेगा। संरचना में बदलाव आवश्यक दस्तावेज के अनुसार, एसओएल की गवर्निंग बॉडी ने 15 जुलाई की बैठक में इस प्रस्ताव की सिफारिश की थी। विश्वविद्यालय का कहना है कि एसओएल लंबे समय से हजारों विद्यार्थियों को दूरस्थ शिक्षा उपलब्ध करा रहा है, लेकिन बदलते नियामकीय ढांचे और डिजिटल शिक्षा के विस्तार को देखते हुए इसकी संरचना में बदलाव आवश्यक हो गया है। बैठक में केवल यही प्रस्ताव नहीं होगा। तीन स्नातक खेल छात्रों के लिए स्वर्गीय अरुण जेटली छात्रवृत्ति शुरू करने, यूजीसीएफ-2022 के चौथे वर्ष के रिसर्च और एंटरप्रेन्योरशिप ट्रैक में क्रेडिट बढ़ाने तथा लेडी श्रीराम कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (बीए-बीएड) शुरू करने जैसे प्रस्ताव भी रखे जाएंगे।

शाहदरा पुलिस की दोहरी कामयाबी: फर्जी मार्कशीट गैंग का भंडाफोड़, 6 माह से लापता महिला देहरादून से सकुशल बरामद

नई दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस ने एक ही दिन में दो बड़ी सफलताएं हासिल करते हुए अपराध और मानव सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्रवाई की है। एक ओर स्पेशल स्टाफ ने फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र और मार्कशीट तैयार कर बेचने वाले संगठित गिरोह का पदार्फाश कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, वहीं दूसरी ओर एएसबी सेल ने छह महीने से लापता महिला को उत्तराखंड के देहरादून से सकुशल खोज निकाला। 100 से ज्यादा फर्जी मार्कशीट बेचने वाला गिरोह गिरफ्तार स्पेशल स्टाफ शाहदरा को गुप्त सूचना मिली थी कि शाहदरा निवासी नवनीत त्यागी फर्जी 10वीं और 12वीं की मार्कशीट एवं प्रमाणपत्र तैयार कर लोगों को बेच रहा है। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने डिकॉय ग्राहक बनाकर

कार्रवाई की और 17 जुलाई को जीटी रोड स्थित विकास मॉल के पास छापा मारकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसके दो साथी सबाब आलम और फरीद अहमद सैफी के नाम सामने आए, जिन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के कब्जे से एक लैपटॉप, प्रिंटर, दो फर्जी मार्कशीट तथा जालसाजी में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान बरामद किया गया। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी 'ग्रामीण मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान' के समाप्त हो चुके पंजीकरण का दुरुपयोग कर बैकडेट में फर्जी प्रमाणपत्र जारी कर रहे थे। पुलिस के अनुसार गिरोह अब तक 100 से 150 फर्जी प्रमाणपत्र बेच चुका है और प्रत्येक दस्तावेज के बदले 5 हजार से 10 हजार रुपये वसूलता था।

6 महीने से लापता महिला देहरादून से सकुशल मिली

दूसरी बड़ी सफलता में शाहदरा की एएसबी सेल ने जनवरी 2026 से लापता गीता शर्मा को उत्तराखंड के देहरादून से सुरक्षित बरामद कर लिया। महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट विवेक विहार थाने में दर्ज हुई थी। काफी प्रयासों के बावजूद जब कोई सुराग नहीं मिला तो दिल्ली पुलिस आयुक्त ने 20 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की थी। एएसबी सेल ने तकनीकी निगरानी, मानव खुफिया तंत्र और लगातार जांच के आधार पर महिला का पता लगाते हुए 18 जुलाई को देहरादून के राजपुर क्षेत्र से उसे खोज निकाला। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह घरेलू विवादों के कारण अपनी मर्जी से देहरादून में रह रही थी और वहां एक ड्राई क्लीनिंग कंपनी में नौकरी कर रही थी। महिला पूरी तरह सुरक्षित मिली और पुलिस ने आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

शाहदरा पुलिस की सराहनीय कार्रवाई

दोनों मामलों में शाहदरा पुलिस ने एक ओर शिक्षा व्यवस्था से जुड़े फजीर्वाड़े पर बड़ा प्रहार किया है, वहीं दूसरी ओर छह महीने से लापता महिला को सुरक्षित खोजकर परिवार को राहत पहुंचाई है। पुलिस की इन दोनों सफलताओं को अपराध नियंत्रण और जनसेवा की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

जानकारी

क्यों आते हैं खर्राटे?

दिनभर की भागदौड़ के बाद रात को जब बिस्तर पर सोने जाते हैं, तो खर्राटे आपको सोने नहीं देते, लेकिन आप यह सोचते हैं कि आपको तो खर्राटे आते ही नहीं। पर यह बात आपको कोई दूसरा ही बता सकता है। खर्राटों से हैं परेशान तो ऐसे करें इलाज, जानें क्यों आते हैं?

खर्राटों से हैं परेशान तो ऐसे करें समाधान

समय पर न सोने की वजह से भी आ सकते हैं खर्राटे। बढ़ता वजन भी खर्राटे की वजह बनता है। अनहेल्दी लाइफस्टाइल से भी खर्राटे आते हैं दिनभर की भागदौड़ के बाद रात को जब बिस्तर पर सोने जाते हैं, तो खर्राटे आपको सोने नहीं देते, लेकिन आप यह सोचते हैं कि आपको तो खर्राटे आते ही नहीं। पर यह बात आपको कोई दूसरा ही बता सकता है। दिन भर की थकान या और भी कई दूसरे कारण खर्राटों की समस्या को पैदा कर देते हैं। क्या आपने भी अपने खर्राटों से दूसरों की नींद खराब कर रखी है या किसी के खर्राटों से रोजाना आपकी नींद खराब हो रही है, तो नीचे दिए गए इन टिप्स को अपनाएं, लेकिन उससे पहले जानें कि खर्राटों की इतनी अजीबो-गरीब आवाजें आती क्यों हैं? इसका कारण (Snoring Causes) है आपके शरीर को ऑक्सिजन पहुंचाने वालों रास्तो का संकरा होना। इसमें आपके गले का पिछला हिस्सा संकरा हो जाता है, इस वजह से ऑक्सिजन संकरी जगह से होती हुई शरीर में पहुंचती है, जिससे आसपास के टिशू वाइब्रेट होते हैं और इससे आवाजें निकलती हैं।

इन 5 तरीकों से जानें कैसे रोकें खर्राटे?

वजन कम करके

कभी-कभार गले में चर्बी के बढ़ने की वजह से भी खर्राटे आते हैं, क्योंकि इससे गले के जरिए शरीर में जाने वाली हवा गले के टिशू में कंपन पैदा करती है।

शराब न पीकर

कई लोगों को शराब की वजह से भी खर्राटे आते हैं। इसीलिए सोने के दो से तीन घंटों पहले शराब न पिएं।

समय पर नींद लेकर

बेवक्त सोने वाले लोगों में भी खर्राटे लेने की समस्या होती है, इसीलिए रोजाना सही वक्त और 7 से 8 घंटों की नींद लेनी चाहिए।

दमा और सर्दी ठीक करके

अस्थमा और सर्दी से परेशान लोगों को भी खर्राटे की परेशानी होती है, क्योंकि उनकी स्वास नली संकरी हो जाती है जिससे गले से आवाजें आती हैं।

स्वस्थ लाइफस्टाइल अपनाकर

खराब डेली लाइफ की वजह से भी खर्राटों की परेशानी होती है। बेवक्त खाना-पीना, ठीक से आराम न करना, सिगरेट आदि भी खर्राटों की वजह बनते हैं।

मेलेनोमा कैंसर के बड़े कारणों के पीछे जीन्स भी हैं जिम्मेदार

शोध में हुआ खुलासा

मेलेनोमा एक प्रकार का कैंसर है, जो बोन मेरो के प्लाज्मा सेल्स में विकसित होता है। मेलेनोमा को मैलीगनेंट (घातक) मेलेनोमा भी कहा जाता हैं। मेलेनोमा का प्राथमिक कारण सूर्य के किरणों के साथ आने वाले यूवी रेज हैं। पर शोधकर्ताओं की मानें तो, 22 प्रकार के अलग-अलग जीन हैं, जो यह निर्धारित करने में मदद करते हैं कि किसी व्यक्ति में मेलेनोमा होने के पीछे कितना यूवी रेज का हाथ है। दरअसल जब सूर्य से आने वाली परबैंगनी प्रकाश (यूवी रेंज) त्वचा के निम्न-स्तर वाले सेल्स पर पड़ती हैं, तो मेलेनोमा खतरा बढ़ जाता हैं। यूवी प्रकाश या तो सूर्य से या फिर अन्य टैनिंग स्त्रोतों से आ सकता हैं। इसी को लेकर शोध में कहा गया है कि मेलेनोमा किसी को सिर्फ यूवी रेज के कारण नहीं होता है, बल्कि इसके पीछे कुछ अनुवांशिक कारण भी हैं। आइए हम आपको बताते हैं इस शोध के बारे में।

क्या कहता है शोध?

ब्रिटिश जर्नल, जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित इस शोध की मानें, तो लोगों के जीन इस बात को तय करते हैं कि वे कितने यूवी सेंसिटिव हैं। शोध में कहा गया है कि जिन लोगों को मेलेनोमा कैंसर हुआ है, उसके एक कारणों में उनकी आनुवंशिकी यानी कि जीन फेक्टर भी शामिल हैं। मेलेनोमा के जोखिम वाले लोगों के लिए, बचपन से ही सूर्य की किरणों के प्रति सेंसिटिव होना एक मजबूत कारणों में से एक है। ऑस्ट्रेलिया में दुनिया में त्वचा कैंसर की दर सबसे अधिक है। हर साल 12,000 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों को आक्रामक मेलेनोमा का निदान किया जाता है, जो बीमारी का सबसे घातक रूप में होते हैं। क्यूआईएमआर बरगॉफर मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के कैंसर नियंत्रण समूह के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर डेविड व्हिटमैन ने कहा कि अवधारणा को अच्छी तरह से समझने के लिए, अध्ययन में त्वचा कैंसर के सबसे बड़े अनुवांशिक अध्ययन क्यूस्किन के डेटा का उपयोग किया गया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि जीन और सूर्य के संपर्क ने एक व्यक्ति को कैसे प्रभावित किया। व्हिटमैन ने कहा कि अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि जीन से प्रभावित लोग त्वचा कैंसर के शिकार ज्यादा होते हैं, क्योंकि ऐसे लोग बचपन से ही ऑस्ट्रेलिया के धूप जलवायु के जोखिम को संभाल नहीं पाते, इसलिए मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ाने वाले अन्य कारकों में शामिल हैं

- **गोरी त्वचा**- अगर आपकी त्वजा गोरी है, तो आप मेलेनोमा को विकसित करने की अधिक संभावना रखते हैं, उनकी तुलना में जो ड्राक शेड्स के हैं। मेलेनोमा गहरे रंग के लोगों में भी विकसित हो सकता है, जिसमें हिस्पैनिक -लोग और काले लोग भी शामिल हैं।
- **सनबर्न का इतिहास**- एक या एक से अधिक गंभीर ब्लिस्टरिंग सनबर्न आपके मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।
- यूवी रेज का जोखिम
- भूमध्य रेखा के करीब या अधिक ऊंचाई पर रहना
- मेलेनोमा का एक पारिवारिक इतिहास

गर्म जगहों पर पैदा होने वालों में 50 प्रतिशत बढ़ जाता है मेलानोमा का खतरा

शोधकर्ताओं की मानें, तो लोगों में आनुवांशिक कारण से मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है। ऐसे में ये लोग भले ही बहुत देर तक धूप में न रहते हों पर इनके जीन सूर्य की किरणों के प्रति सेंसिटिव है, इसलिए इन्हें मेलेनोमा कैंसर हो सकता है। शोध में कहा गया है कि कुछ आंकड़ों से पता चलता है कि जो लोग गर्म जगह में पैदा होते हैं और बड़े होते हैं, उनमें मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है, जबकि जो लोग वयस्कों के रूप में ऑस्ट्रेलिया में पलायन करते हैं, जिनके जीन समान होते हैं, उनमें घातक बीमारी विकसित होने की संभावना कम होती है। शोध में इस बात की भी पुष्टि हुई है कि लगभग 20 साल की उम्र तक यूवी रेज के ज्यादा संपर्क में रहना उच्च आनुवांशिक जोखिम वाले लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि यह मेलानोमा को ट्रिगर करता है और ऐसे लोग एक उम्र में जाकर मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

सेहत

तेजी से लोकप्रिय हो रही घी कॉफी, जानिए इसके फायदे

प्राचीन काल से घी का उपयोग भारतीय व्यंजनों और आयुर्वेदिक चिकित्सा में किया जाता है। कॉफी में घी डालने से इसके गुण कई गुना बढ़ जाते हैं। जैसे - यह वजन घटाने में मदद करता हैं। बटर कॉफी की तुलना में घी कॉफी बहुत अधिक पौष्टिक और मीठी मानी जाती है।

जानिए घी कॉफी के फायदे

एसिडिटी से राहतः बहुत से लोगों को खाली पेट कॉफी पीना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि इससे एसिडिटी होती है, लेकिन इसमें थोड़ा-सा घी डालने से एसिडिटी और जलन से राहत मिलती है। घी मिलाने से कॉफी ब्यूटिरिक एसिड और ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर हो जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं और हेल्दी मेटाबॉलिज्म में मदद करता है।

वजन घटाने में सहायकः अगर आप कीटो डाइट पर हैं तो सुबह घी कॉफी पीने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। यदि आपका शरीर कीटोसिस में नहीं है और आप घी कॉफी पी रहे हैं, तो वजन बढ़ेगा। यानी जो लोग वजन बढ़ाना चाहते हैं, वो इस तरह लाभ ले सकते हैं। कॉफी संतुष्टि प्रदान करती है और घी में शून्य कार्बोहाइड्रेट होता है। साथ हीओमेगा 3 और ओमेगा 6 फैटी एसिड वजन कम करने के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

मूड में सुधारः घी में मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड तंत्रिका ऊतक (नर्व टिश्यू) की वृद्धि और कार्य के लिए फायदेमंद होता है। यह हार्मोन उत्पादन में सुधार करती है, जिससे मूड स्थिर और खुश रहता है।

लैक्टोज का विकल्पः घी उन लोगों के लिए शानदार विकल्प है, जो लैक्टोज का सेवन नहीं कर पाते हैं, क्योंकि घी में दूध के ठोस पदार्थ और प्रोटीन होता है। यह मक्खन की तुलना में आसानी से पचता है।

अधिक ऊर्जा : वैसे भी कॉफी ऊर्जा बढ़ाती है और फोकस (ध्यान) में मदद मिलती है। घी के कारण इसकी ऊर्जा बढ़ाने वाले गुण दोगुना हो जाते हैं। कॉफी में कैफीन होता है, जो ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है।

ऐसे बनती है घी कॉफी

घी कॉफी बनाना बहुत आसान है। आप जिस भी ब्रांड की और जैसे भी (लाइट या डार्क) कॉफी पीते हैं, उसमें एक या दो चम्मच शुद्ध घी मिलाएं। घी की यह मात्रा कॉफी की मात्रा पर निर्भर करती है। स्वस्थ आहार के साथ इसे पिएं।

एक चम्मच घी में क्या-क्या होता है

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रिकल्चर (यूएसडीए) के अनुसार एक चम्मच घी में निम्न न्यूट्रिशन होते हैं।

कैलोरीः 150
वसाः 17 ग्राम
संतृप्त वसाः 10 ग्राम
असंतृप्त वसाः 7 ग्राम
कार्बोहाइड्रेटः 0 ग्राम
सोडियमः 90 मिलीग्राम
चीनीः 0 ग्राम
फाइबरः 0 ग्राम
प्रोटीनः 0 ग्राम
कोलेस्ट्रॉलः 25 मिलीग्राम

डायटिशियन और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट कारा हर्बस्ट्रीन ने अपने एक लेख में लिखा है कि घी में अन्य खाद्य पदार्थों की तुलना में संतृप्त वसा अधिक होती है। इसलिए सुबह घी कॉफी का सेवन दिनभर की एनर्जी के लिए अच्छा होता है। इसके बाद यदि आप सुबह का नाश्ता नहीं ले पाते हैं तो भी एनर्जी बनी रहेगी। बटर की तुलना में घी सेहतमंद होता है। ध्यान रखने वाली बात यह है कि घी में कैलोरी ज्यादा होती हैं। सेवन करते समय इस लिहाज से भी ध्यान रखा जाना जरूरी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 3956

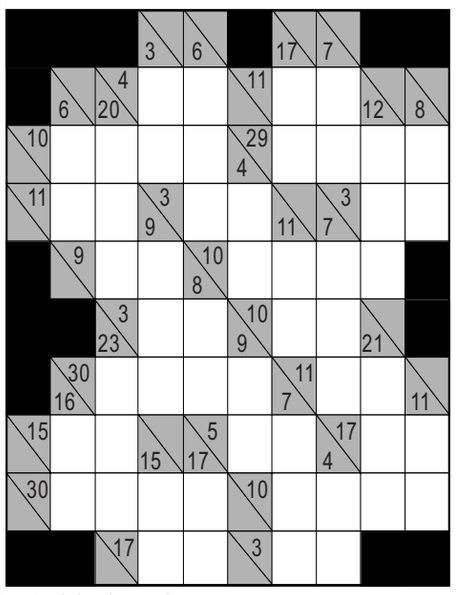

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 3955 का हल

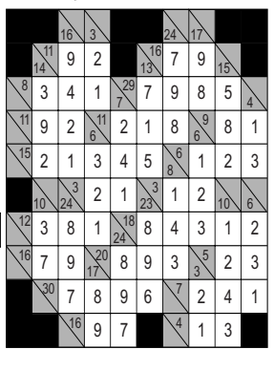

लॉफिंग ज़ोन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुँड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली- 3956

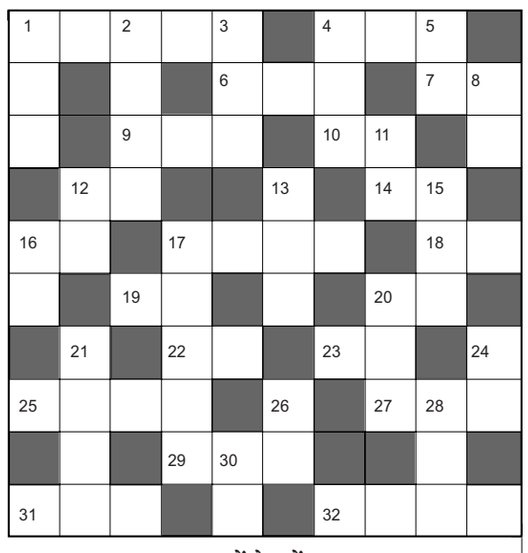

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-3955

बा	ग	बा	न		त्रि		धू	म
रू		द		स्व	दे	श		र्या
द	ला	ल			व		दा	दा
	ड़		प्या	सा		सी	मा	
दु	ला	रा		ज	ख्मी		द	म
श्म		ज	मी	न		ने		म
नी	तू		ना		म	ह्म	न	ता
		आ		दो	स्त		गी	
दि	ल	ज	ले			बे	ना	म

सूडोकु -3956

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3955 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली -3956

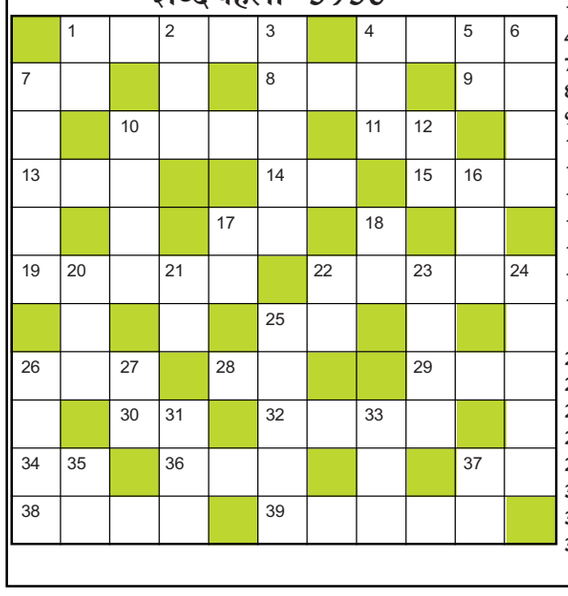

बाएँ से दाएँ

1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल,समय,पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु,मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र,बेटा-3
14. क्षार,खारा-2
15. दर,मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा,भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी,सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन,परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त,निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2. सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा,धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय,खौफ-2
20. वेग,गति-3
21. मुंह,चेहरा-2
22. पैर,ओहदा-2
23. वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी,कंद-5
25. सभागार,सभाकक्ष-5
26. भयंकर,खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर,डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली -3955 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		ब
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

ओटीटी के बोल्ड कंटेंट पर ईशा सिंह ने रखी बेबाक राय

टेलीविजन अभिनेत्री ईशा सिंह रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 में नजर आई थीं। वह शो की फाइनलिस्ट बनीं और शानदार तरीके से खेलते हुए छठे स्थान पर रही थी। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में हाल ही में ओटीटी और टीवी रियलिटी शोज की बात की। उन्होंने बताया कि ओटीटी रियलिटी शोज 'अलायंस' और 'लॉक-अप' लोगों की असलियत दिखा रहे हैं। लोग अगर गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो वो उनकी असलियत है। असल जिंदगी में लोग अक्सर ऐसे ही बात करते हैं। अभिनेत्री रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 का हिस्सा रह चुकी हैं। उनसे जब 'लॉक अप' और 'अलायंस' जैसे शो से आने वाले बोल्ड कंटेंट के बारे में पूछा, तो अभिनेत्री ने बताया कि यह शो ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहे हैं, तो उनके पास सीन हो या भाषा के लिए ज्यादा आजादी है। अभिनेत्री ईशा सिंह ने कहा, 'देखिए, जब हमारे दर्शक इन शो को देखते हैं, तो वे बोलते हैं कि ऐसी अभद्र भाषा में बात कर रहे हैं। मेरा मानना है कि लोग असल जीवन में ऐसे ही बात करते हैं, हालांकि फर्क बस इतना है कि ओटीटी शोज में दिखता है, जबकि बिग-बॉस टीवी पर प्रसारित होता है, इसलिए उसमें एडिट कर दिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि टेलीविजन में ओटीटी के मुकाबले पाबंदियां थोड़ी ज्यादा हैं, जिससे क्रिएटर्स किरदारों को ज्यादा असली तरीके से दिखा पाते हैं। उन्होंने कहा, 'देखिए, कोई संत नहीं है। सब ऐसे ही बातें करते हैं। स्क्रीन के मुकाबले लोग असल जीवन में बिल्कुल अलग होते हैं। मुझे लगता है कि ठीक है अभी लोग भी इसे पसंद कर रहे हैं। वे 'लॉक अप' और 'बिग बॉस' देख रहे हैं। मुझे लगता है कि लोगों को बस पसंद आना चाहिए।' अभिनेत्री ईशा सिंह इस समय कलर्स टीवी के नए शो 'जूही मुई' में मुख्य भूमिका (जूही सूरी का किरदार) निभा रही हैं। यह शो एक ऑटिज्म से जूझ रही प्रतिभाशाली लड़की की प्रेरणादायक कहानी है, जो अपने परिवार की संपत्ति बचाने के लिए खुद वकील बनती है।

'हेरा फेरी 3' विवाद पर बोले परेश रावल

दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार अक्षय कुमार द्वारा उन्हें भेजे गए 25 करोड़ रुपये के कानूनी नोटिस के बारे में बात की है। यह नोटिस तब भेजा गया था, जब उन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वो 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनका फिल्म छोड़ने का फैसला अक्षय के साथ किसी निजी मुद्दे से जुड़ा नहीं था। विवाद एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मुद्दे के कारण हुआ था। और अक्षय का उन पर मुकदमा करने का फैसला एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी। परेश रावल ने कहा कि प्रोजेक्ट से अलग होने के उनके फैसले का अक्षय के साथ काम करने में असहज होने से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि बात यह नहीं थी कि 'मैं अक्षय कुमार के साथ काम करने में असहज महसूस कर रहा हूं।' यह एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी। अगर मुझे फिल्म करनी थी, तो मुझे फिरोज नाडियाडवाला की मंजूरी चाहिए थी, क्योंकि वही 'हेरा फेरी' फ्रैंचाइजी के अकेले मालिक हैं। साथ ही 'आवारा पागल दीवाना', 'वेलकम' और ऐसी ही दूसरी फिल्मों के भी। जब तक उनकी मंजूरी नहीं मिल जाती, मैं कोई कमिटमेंट नहीं कर सकता था। जब कानूनी नोटिस आया, तो मैंने सोचा, 'मैं कानूनी मामलों में क्यों घिसट रहा हूं? क्या मैं यहां फिल्म बनाने का मजा लेने आया हूं या इसमें फंसने के लिए?' मैंने खुद से कहा कि मैं अब इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता। जब भी 'हेरा फेरी 3' बनेगी मैं उसमें काम करूंगा फिल्म को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता के बावजूद परेश ने कहा कि जब भी यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, मैं इसमें जरूर काम करूंगा, चाहे इसे कोई भी डायरेक्ट या प्रोड्यूस करे। मैं उस फिल्म से पूरी तरह जुड़ा हुआ हूं। जब भी वे इसे बनाएंगे, मैं वहां मौजूद रहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और अक्षय बाद में नोटिस के बारे में बात करने के लिए बैठे थे और क्या एक्टर ने माफी मांगी थी? इस पर परेश ने कहा कि मामला बिना किसी औपचारिक बातचीत के ही सुलझ गया। हम कभी इस बारे में बैठकर बात नहीं की, लेकिन हमने बाद में साथ काम किया। कभी-कभी आपको शब्द कहने की भी जरूरत नहीं होती। चीजों को सुलझाने का यह एक सभ्य तरीका है।

'सिटी ब्यूटीफुल' फिल्म मेरे लिए घर वापसी जैसा है

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'सिटी ब्यूटीफुल' से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ 'डिस्को सिंह' में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और 'सिटी ब्यूटीफुल' वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, 'इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टेंपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।' अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'मोमाकू' में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम 'मोटर, माचिस और कटर' है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने 'पिंकी' नाम की मुख्य भूमिका निभाई हैं। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।

फिल्म 'रणबाली' में पति विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म 'रणबाली' का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक क्रिप्टिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के 'रणबाली' अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'रणबाली' के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, 'मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूं या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं!'

हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी अक्षरा सिंह

अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन हैं। अभिनय से लेकर सिंगिंग तक, हर क्षेत्र में उनका सिक्का चलता है। अक्षरा अब भोजपुरी सिनेमा से निकलकर दूसरी इंडस्ट्रीज में भी अपनी पहचान बना रही हैं। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के 'घिस घिस घिस' गाने में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। उन्हें श्रद्धा कपूर की 'ईठा' में भी देखा जाएगा। इसके अलावा अब वे हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी। भोजपुरी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने आर्य मासूम शर्मा के साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में दोनों हंसते-मुस्कुराते पोज दे रहे हैं। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री देखी जा सकती है। पोस्ट के साथ अक्षरा सिंह ने कैप्शन लिखा है, 'दो अलग मिट्टी का स्वैग, एक ही वाइब। तैयार हो इस कोलैब के लिए'? अक्षरा सिंह व्हाइट कलर के सूट में नजर आ रही हैं, जिस पर पिंक और ब्लू फ्लॉवर प्रिंट है। वहीं, मासूम शर्मा को डैनिम जींस और टी-शर्ट में देखा जा सकता है। बता दें कि आर्य मासूम शर्मा जिन्हें मासूम शर्मा के नाम से जाना जाता है, वे हरियाणा के मशहूर गायक, गीतकार और संगीतकार हैं।

'ईठा' में नजर आएंगी अक्षरा

'वेलकम टू द जंगल' के बाद अब अक्षरा सिंह को श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म 'ईठा' में भी देखा जाएगा। हालांकि, अक्षरा ने 'ईठा' में अपने रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। मगर, फिल्म का हिस्सा बनने पर वे बेहद उत्साहित हैं।

पहले मैं जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

काजल अग्रवाल अब 4 साल के बेटे नील की मां बन चुकी हैं। जल्द ही एक्ट्रेस खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रही हैं। साउथ की सुपरस्टार काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में भले ही कम फिल्में की हों, मगर उनके चाहने वाले पूरे देश में हैं। एसएस राजामौली निर्देशित चर्चित फिल्म 'मगाधीरा' हो या अजय देवगन के साथ 'सिंघम', अपने हर किरदार से साथ उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां भी दी हैं। जल्द ही खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रहीं काजल एक दौर में साल में 7-8 फिल्में करती थीं। वह कहती हैं कि तब मेरी अपनी कोई जिंदगी नहीं थी। मैं सिर्फ काम में जुटी रहती थी।

जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

अपने इस सफल करियर पर काजल कहती हैं, 'यह ऊपरवाले की मेहरबानी और मेरे बड़ों का आशीर्वाद कि इतना कमाल का काम करने को मिला। कमाल के लोगों के साथ काम करने को मिला। मुझे ऐक्टिंग से बेहद प्यार है और जिस तरह के रोल मुझे मिल रहे हैं, जितना प्यार मुझे मिला है, मैं बहुत खुशनसीब हूं। हालांकि, इस करियर में उतार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था। लोगों की बातें समझ नहीं आती थीं। क्या सही है, क्या गलत है तो वो कल्चर समझा। वहां रहना, अडजस्ट करना, तब मैं मुंबई आती ही नहीं थी। साल में शायद 2 दिन, दिवाली और मेरा जन्मदिन या दिवाली और नया साल ही मुंबई में मनता था, वरना 363 दिन मैं सिर्फ ट्रैवल और शूट करती थी। मैं एक साल में 7 से 8 फिल्में करती थीं। मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। जब मेरे दोस्त जिंदगी एंजॉय कर रहे थे, मैं सिर्फ काम कर रही थी। मुझे जिंदगी का मजा लेने का मतलब ही नहीं पता था।'

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है, मैं मंदोदरी

काजल नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म 'रामायण' में मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। उस अनुभव के बारे में वह बताती हैं, 'बहुत ही अलग और अद्भुत अनुभव रहा है। जब हम लोग शूट करते हैं या शॉट्स देते हैं तो यह समझ आता है कि ये किस मुकाम तक जाएगी। उसका स्केल दिखाई देता है कि वह वर्ल्ड सिनेमा के लिए बनी है। मेरे लिए तो ये बड़े गर्व की बात है कि ये सारा कमाल हमारी भारतीय प्रतिभाएं इतनी खूबसूरती से कर रही हैं। वहीं, रामायण का बेटे से जुड़ाव के बारे में मजेदार किस्सा शेयर करते हुए कहती हैं, नील को रामायण पसंद है। उसे पता है कि मंदोदरी कौन है तो मैंने बताया है कि मम्मा इसमें मंदोदरी का रोल कर रही है, तो वह खेल-खेल में कहता है कि मैं रावण हूं, तुम मंदोदरी हो तो मैं कहती हूं कि ठीक है, वेरी गुड, चलो खेलते हैं।

मां होने के नाते खाने में मिलावट डराती है

अपनी फिल्म द इंडिया स्टोरी में खाने, दूध, फल आदि में मिलावट के मुद्दे को उठा रहीं काजल एक मां के तौर पर खुद इस विषय से काफी कनेक्टेड महसूस करती हैं। वह कहती हैं, 'एक मां होने के नाते इन चीजों के बारे में सोचकर डर लगता है। हमें पता ही नहीं है कि हमारे बच्चे के सेहत के लिए क्या ठीक है, क्या नहीं? खाना हो, फल हो, दूध हो, आप बड़े से बड़े स्टोर पर भी भरोसा नहीं कर सकते। आपको पता ही नहीं कि अपने बच्चे को क्या खिला रहे हैं? तो हमें ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। ऐसे में, यह फिल्म आंखें खोलने वाली रही। जो रिसर्च हमारे डायरेक्टर डीके चेतन ने दिखाए वह काफी डरावने थे। काजल का जोर अब मजबूत या मुद्दे वाली फिल्मों पर ज्यादा दिख रहा है। क्या फिल्मों के चुनाव को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर वह कहती हैं, बिल्कुल, आपकी सोच, चॉइस वक्त के साथ बदलती है, क्योंकि जिंदगी आपको मौके भी देर से देती है। आप जब अपने काम में सेटल हो जाते हैं, तब प्रयोग करना शुरू करते हैं। शुरू में तो मैं खुद को स्थापित करने में ही इतनी व्यस्त थी कि बाकी कुछ सोचने का वक्त ही नहीं था। हर फिल्म को हां बोलती थी। साल में 8 फिल्में कर लेती थी।' मगर क्या मां बनने का असर भी इस चुनाव पर पड़ा है? इस पर उनका कहना है, 'ऐसी कोई लिस्ट नहीं है जो मैं फॉलो करती हूं। जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूं, तब मुझे पता चल जाता है कि ये मैं करूंगी, लेकिन ये नहीं सही लग रहा तो नहीं करूंगी, लेकिन बेटा जेहन में रहता है तो अंदर से एक फिल्टर रहता है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।